वर्ष-11 अंक-82 पृष्ठ-8 मूल्यः 3 रुपये

प्रयागराज, गुरुवार, 05 जून 2025

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

Download From Google Play

Adhunik Samachar

आधुनिक समाचार नेटवर्क

11 YEARS ANNIVERSARY

संक्षिप्त समाचार

एलन मस्क ने ट्रंप के टैक्स और खर्च बिल को बताया घिनौना अभिशाप

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। एलन मस्क ने राष्ट्रपति ट्रंप के टैक्स कट्स और खर्च बिल की आलोचना करते हुए इसे घिनौना अभिशाप करार दिया। मस्क ने इसे अत्यधिक खर्चीला और बेमकसद बताया। इस पर व्हाइट हाउस ने बिल का बचाव करते हुए कहा कि राष्ट्रपति इस पर कायम हैं और मस्क की राय में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अमेरिकी टेक अरबपति एलन मस्क ने मंगलवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से पेश किए गए विशाल टैक्स कट्स और खर्च बिल की आलोचना की। मस्क ने इसे घिनौना अभिशाप करार देते हुए कहा कि वह अब इसे और सहन नहीं कर सकते। मस्क का यह बयान तब आया है जब वह हाल ही में ट्रंप के एक प्रमुख सलाहकार के रूप में अपनी भूमिका खत्म कर चुके हैं।मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि मुझे खेद है, लेकिन अब मैं इसे और सहन नहीं कर सकता। यह विशाल, अत्यधिक खर्चीला और बेमकसद बिल घिनौना है। जो लोग इसे समर्थन दे रहे हैं, उन्हें शर्म आनी चाहिए। उन्होने कहा कि आप जानते हैं कि आपने गलत किया है। साथ ही मस्क ने इस बिल को एक पेट भरने वाली और गैरजरूरी खर्चों से भरा हुआ बताया, जिससे उन पर खर्चों का बोझ बढ़ेगा।इस विवाद के बाद व्हाइट हाउस ने इस बिल का बचाव किया और ट्रंप प्रशासन ने मस्क की आलोचना का जवाब दिया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति पहले ही जानते हैं कि एलन मस्क इस बिल पर क्या सोचते हैं, और इससे उनकी राय में कोई बदलाव नहीं आया।

यह एक और बड़ी कूटनीतिक चूक', कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी के शामिल न होने पर जयराम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने 15 से 17 जून को कनाडा में होने वाले जी7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शामिल न होने को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि शिखर सम्मेलन में भारत की अनुपस्थिति एक और बड़ी कूटनीतिक चूक है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस साल कनाडा में होने वाले जी7 शिखर सम्मेलन में शामिल न होने की खबरों को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह एक और बड़ी कूटनीतिक चूक है। एक्स पर एक पोस्ट में रमेश ने कहा कि छह साल में पहली बार भारत शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होगा। जयराम रमेश ने जी7 शिखर सम्मेलन में भारत की अनुपस्थिति को एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक चूक बताया। उन्होंने कहा कि भारत की बढ़ते वैश्विक प्रभाव और अंतरराष्ट्रीय नीतियों को आकार देने के लिए ऐसे मंचों पर भागीदारी महत्वपूर्ण है। जयराम ने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'भारतीय प्रधानमंत्रियों को आमंत्रित करने की परंपरा 2014 के बाद भी जारी रही, लेकिन अब 6 साल में पहली बार,

विश्वगुरु कनाडा शिखर सम्मेलन में उपस्थित नहीं होंगे। चाहे जो भी कहा जाए, लेकिन तथ्य यही है कि यह एक और बड़ी कूटनीतिक चूक है।'उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 2007 में शिखर सम्मेलन में भाग लिया था, जहां जलवायु परिवर्तन वार्ता के लिए प्रसिद्ध सिंह-मर्केल फॉर्मूला का अनावरण किया गया था। जयराम रमेश ने कहा कि इस साल 15 से 17 जून 2025 को कनाडा के अल्बर्टा के कनानास्किस में जी7 सम्मेलन हो रहा है। इसमें अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, जापान, इटली, कनाडा और जर्मनी के नेता हिस्सा लेंगे। इसके अलावा ब्राजील, मैक्सिको, दक्षिण अफ्रीका, यूक्रेन के राष्ट्रपतियों और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री को भी शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया गया है। 2014 से पहले, 37 वास्तव में कई वर्षों तक 38 था और इसमें रूस भी शामिल था इसके अलावा, जयराम रमेश ने भारत और पाकिस्तान के बीच शत्रुता समाप्त करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों को लेकर भी भाजपा पर हमला किया। जयराम ने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'अमेरिका को भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता करने की छूट देना, भारत की दशकों पुरानी विदेश नीति के खिलाफ है, और यह एक बड़ी भूल थी।'बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को एक बार फिर भारत-पाकिस्तान के बीच शत्रुता को समाप्त करने का श्रेय लिया। उन्होंने कहा कि उनके प्रशासन की व्यापार वार्ता ने संभावित रूप से दोनों देशों के बीच परमाणु युद्ध को टाल दिया।

चुनाव आयोग का मतदान प्रतिशत आंकड़ों को लेकर बड़ा फैसला, शुरू करने जा रहा है नई प्रणाली

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। मतदाता मतदान आंकड़ों को लेकर चुनाव आयोग ने बड़ा बदलाव किया है। आयोग एक सुव्यवस्थित और प्रौद्योगिकी-आधारित प्रणाली की शुरुआत कर

रहा है, जो मतदान प्रतिशत के अनुमानित आंकड़ों को तेजी से अपडेट करेगी। मतदाता मतदान प्रतिशत को लेकर लगातार विपक्ष के आरोपों का सामना कर रहा निर्वाचन आयोग एक नई व्यवस्था शुरू करने जा रहा है। चुनाव आयोग ने मंगलवार को कहा कि वह अनुमानित मतदाता मतदान प्रतिशत डेटा समय पर मिल सके इसके लिए वह एक सुव्यवस्थित, प्रौद्योगिकी-आधारित प्रणाली शुरू कर रहा है। जिससे पहले की मैन्युअल रिपोर्टिंग विधियों से जुड़ी समय-देरी ठकाफी हद तकठ कम हो जाएगी।आयोग ने बताया कि इस नई पहल के तहत मतदान के दिन प्रत्येक मतदान केंद्र के प्रिसाइडिंग ऑफिसर (पीआरओ) हर दो घंटे में मतदान का आंकड़ा सीधे 'ईसीआईनेट' एप्लिकेशन पर दर्ज करेंगे। इससे मतदान रुझानों के अद्यतन में लगने वाला समय घटेगा। यह आंकड़े स्वचालित रूप से विधानसभा क्षेत्र स्तर पर एकत्र किए जाएंगे। आयोग ने स्पष्ट किया कि मतदान प्रतिशत के अनुमानित आंकड़े पहले की तरह हर दो घंटे में प्रकाशित होते रहेंगे। पहले मतदान का डाटा सेक्टर अधिकारियों द्वारा मैनुअल रूप से एकत्र किया जाता था और फोन कॉल, एसएमएस या मैसेजिंग एप के माध्यम से रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) को भेजा जाता था।चुनाव आयोग ने कहा, विशेष रूप से मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद प्रिसाइडिंग ऑफिसर मतदान केंद्र से रवाना होने से पहले 'ईसीआईनेट' पर डेटा दर्ज करेंगे। इससे देरी में कमी आएगी और मतदान समाप्त होने के बाद नेटवर्क उपलब्धता के आधार पर अपडेटेड वोटर टर्नआउट एप पर निर्वाचन क्षेत्रवार मतदान का अनुमानित प्रतिशत उपलब्ध हो सकेगा।

इंडिया' ब्लॉक ने की विशेष संसद सत्र बुलाने की मांग, संजय राउत बोले- विपक्ष जनता की आवाज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के 16 दलों ने पहलगाम आतंकी हमला, ऑपरेशन सिंदूर और संघर्ष विराम पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की

मांग की है। शिवसेना (उद्धव गुट) सांसद संजय राउत ने कहा कि विपक्ष जनता की आवाज है और सरकार संसद के प्रति जवाबदेह हैंविपक्षी 'इंडिया' गठबंधन की बैठक के बाद मंगलवार को शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राउत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि संसद में विपक्ष की आवाज की महत्वपूर्ण है। राउत ने बताया, 'हमने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है, उस पर 16 सियासी दलो के हस्ताक्षर हैं। यह कोई सामान्य पत्र नहीं है। विपक्ष जनता की आवाज है। हम चाहते हैं कि देश में अब तक जो कुछ भी हुआ है, उस पर चर्चा के लिए विशेष सत्र बुलाया जाए।राउत ने सरकार से सवाल किया कि जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सुझाव पर संघर्ष विराम हो सकता है, तो विपक्ष की बार-बार की मांग के बावजूद संसद का विशेष सत्र क्यों नहीं बुलाया जा सकता क्या अब हमें भी विशेष सत्र के लिए ट्रंप से ही अनुरोध करना पड़ेगा जब उनसे पूछा गया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) का नाम उस पत्र पर क्यों नहीं है, तो उन्होंने कहा कि शरद पवार हमारे साथ हैं। सुप्रिया सुले इस वक्त एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बाहर गई हैं। जब मैं मुंबई लौटूंगा, तो शरद पवार से इस विषय पर बात करूंगा।विपक्षी इंडिया गठबंधन के 16 दलों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है, जिसमें पहलगाम आतंकी हमला, ऑपरेशन सिंदूर और ट्रंप की घोषणा पर चर्चा की मांग की गई है। इससे एक दिन पहले पत्रकारों से बाचतीत करते हुए ।

पाकिस्तान में लोकतंत्र नहीं सेना चला रही सरकार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। ब्रिटिश सांसद बॉब ब्लैकमैन ने पाकिस्तान को असफल

राष्ट्र बताते हुए कहा कि वहां लोकतंत्र नहीं, सेना राज कर रही है। साथ ही उन्होंने जम्मू-कश्मीर पर पाकिस्तान के अवैध कब्जे को खत्म करने की मांग की और आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मदद रोकने की बात भी कही। ब्रिटेन के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने मंगलवार को पाकिस्तान को एक असफल राष्ट्र करार देते हुए उस पर तीखा हमला बोला।

प्रियंका गांधी ने केंद्रीय मंत्री को लिखा पत्र, वायनाड में सड़क निर्माण कार्यों में तेजी लाने की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने केंद्रीय मंत्री को पत्र लिखकर वायनाड की 331 बस्तियों में पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत सड़कों पर काम तेज करने

की मांग की है। उन्होंने कहा कि कई आदिवासी बस्तियां अब भी बिना सड़क के हैं और कुछ बस्तियों को गलत तरीके से सड़कों से जुड़ा हुआ दिखा गया है। कांग्रेस नेता और वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-ध्न् (पीएमजीएसवाई-ध्न्) के तहत वायनाड जिले में सड़क निर्माण कार्यों में तेजी लाने की मांग की है। अपने पत्र में प्रियंका गांधी ने कहा कि वायनाड जिले में 331 बस्तियों की पहचान की गई है, जहां अब तक हर मौसम में चलने योग्य सड़कों की सुविधा नहीं है। इनमें से केवल कलपेट्टा ब्लॉक की 64 बस्तियों के प्रस्तावों को ही राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना विकास एजेंसी (एनआरआईडीए) की ओर से मंजूरी दी गई है। उन्होंने बताया कि केरल राज्य ग्रामीण सड़क विकास एजेंसी ने पहले ही सभी 331 सड़कों को मंजूरी दे दी है, लेकिन सुल्तान बथेरी, मंथवाड़ी और पनामारम ब्लॉकों की 267 बस्तियों से जुड़ी परियोजनाओं को अब भी एनआरआईडीए की ऑनलाइन प्रबंधन प्रणाली (ओएमएमएएस) पर मंजूरी नहीं मिली है। कांग्रेस नेता ने पत्र में लिखा, इन इलाकों में बड़ी आदिवासी आबादी रहती है और प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना की गाइडलाइन कहती है कि आकांक्षी ब्लॉकों की आदिवासी बस्तियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि 25 बस्तियों को गलती से 'जुड़ा हुआ' दिखाया गया है, जबकि वे वास्तव में अब भी कटी हुई हैं।

गिरीश महाजन का राउत पर तीखा हमला, कहा- शिवसेना एमपी के रहते उद्धव को राजनीतिक दुश्मन की जरूरत नहीं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन ने शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत को दलाल करार देते हुए कहा कि वह ही उद्धव ठाकरे के

सबसे बड़े राजनीतिक दुश्मन हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राउत शिवसेना (यूबीटी) के नेताओं और कार्यकर्ताओं को पार्टी से भगा रहे हैं और पार्टी को नुकसान पहुंचा रहे हैं। महाराष्ट्र के वरिष्ठ भाजपा मंत्री गिरीश महाजन ने मंगलवार को शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत पर तीखा हमला बोला। महाजन ने कहा कि राउत के रहते उद्धव ठाकरे को राजनीतिक दुश्मन की जरूरत नहीं है। उन्होंने राउत को दलाल करार देते हुए कहा कि ऐसे लोग पार्टी संगठन को नुकसान पहुंचा रहे हैं यह विवाद संजय राउत के महाजन पर तीखे हमले से उपजा है, जिसमें राउत ने कहा था कि जब भाजपा सत्ता खो देगी तो महाजन पार्टी छोड़ने वाले पहले नेता होंगे। राउत पर पलटवार करते हुए फडणवीस कैबिनेट में जल संसाधन विभाग संभाल रहे महाजन ने संवाददाताओं से कहा, 'उद्धव ठाकरे को अपनी पार्टी को नष्ट करने के लिए किसी राजनीतिक दुश्मन की जरूरत नहीं है, क्योंकि संजय राउत इस काम के लिए काफी हैं।उत्तर महाराष्ट्र से भाजपा विधायक महाजन ने राउत को दलाल करार देते हुए कहा कि उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) से नेताओं और जमीनी कार्यकर्ताओं को भगा दिया है। महाजन ने कहा कि 2019 के विधानसभा चुनावों के बाद जब भाजपा और शिवसेना अलग हुए तो राउत ने ठाकरे को शरद पवार और कांग्रेस के करीब धकेल दिया, जिससे उन्होंने अपनी ही पार्टी को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि अगर ठाकरे राउत पर लगाम लगाने में विफल रहे, तो शिवसेना (यूबीटी) टूट जाएगी। गौरतलब है कि जून 2022 में एकनाथ शिंदे और कई विधायकों ने शिवसेना छोड़ दी थी, जिसके चलते पार्टी का विभाजन हो गया। बाद में, शिंदे मुख्यमंत्री बने और चुनाव आयोग ने उन्हें शिवसेना नाम और धनुष-बाण चिह्न बरकरार रखने की अनुमति दी। भाजपा नेता ने राउत की इस टिप्पणी कि महाजन संभावित रूप से पार्टी छोड़ सकते हैं, पर करारा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि वह एक स्वयंसेवक और सात बार विधायक रह चुके हैं। वह पार्टी को मजबूत करने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जो राउत ने अपनी पार्टी के साथ किया, ऐसा वह कभी नहीं करेंगे। मैं भाजपा के सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक हूं। मैं बीस साल तक विपक्ष में रहा। हालांकि मुझे पार्टी बदलने के लिए कई प्रस्ताव मिले, लेकिन मैंने कभी अपनी पार्टी नहीं छोड़ी।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में आज संघर्ष विराम प्रस्ताव पर वोटिंग, वीटो कर सकता है अमेरिका

अमेरिका। इस्राइल हमास युद्ध के बाद से गाजा में लगातार हालात बिगड़ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र यहां युद्ध विराम लागू करने की मांग कर रहा है। अब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने युद्ध विराम प्रस्ताव पर मतदान कराने की तैयारी की है।गाजा में युद्ध विराम प्रस्ताव पर बुधवार को मतदान होना है। माना जा रहा है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के युद्ध विराम प्रस्ताव पर अमेरिका वीटो लगा सकता है। प्रस्ताव में गाजा में तत्काल, बिना शर्त और स्थायी युद्ध विराम की मांग की गई है। परिषद के 10 निर्वाचित सदस्यों द्वारा बनाए गए प्रस्ताव में दक्षिणी इस्राइल में सात अक्तूबर 2023 को हुए हमले के बाद हमास और अन्य समूहों द्वारा बंधक बनाए गए सभी लोगों की रिहाई की मांग की गई है। इसमें गाजा में मानवीय स्थिति को विनाशकारी बताते हुए मानवीय सहायता के प्रवेश पर सभी प्रतिबंधों को तत्काल, बिना शर्त हटाने पर जोर दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में मतदान इस्राइल

और अमेरिकी समर्थित फाउंडेशन द्वारा गाजा के इस्राइली सैन्य क्षेत्रों के अंदर सहायता वितरण केंद्रों की स्थापना के बाद हो रही गोलीबारी के बीच होगा। फाउंडेशन का कहना है कि यह प्रणाली हमास को दरकिनार करने के लिए बनाई गई है।वहीं संयुक्त राष्ट्र ने नई प्रणाली को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया है कि यह गाजा में बढ़ते भूख संकट का समाधान नहीं करती। बल्कि इस्राइल को सहायता को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की अनुमति देती है। साथ ही तटस्थता, निष्पक्षता और स्वतंत्रता के सिद्धांतों का अनुपालन नहीं करती। विभिन्न देशों के कई संयुक्त राष्ट्र राजनयिकों ने कहा कि हमें उम्मीद है कि अमेरिका प्रस्ताव पर वीटो कर देगा। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी मिशन ने इसका कोई जवाब नहीं दिया। गाजा के लगभग 20 लाख लोग अंतरराष्ट्रीय सहायता पर निर्भर हैं। यहां इस्राइल ने गाजा की लगभग सभी खाद्य उत्पादन क्षमताओं को नष्ट कर दिया है। इस्राइल ने दो मार्च को गाजा में आपूर्ति पर नाकाबंदी लगा दी थी। हालांकि सहयोगियों के दबाव के बाद पिछले महीने के अंत में सीमित सहायता फिर से आनी शुरू हुई।

11 जून को पीएम डोनाल्ड टस्क की सरकार का बहुमत परीक्षण, करोल नवरोकी के राष्ट्रपति बनने के बाद सियासी हलचल

अमेरिका। पोलैंड में हुए राष्ट्रपति चुनाव में विरोधी गुट की जीत के बाद अब प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क 11 जून को संसद में विश्वास हासिल करेंगे। गठबंधन मतभेद

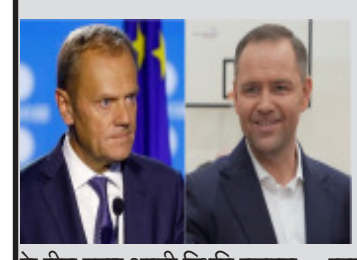

के बीच टस्क अपनी स्थिति मजबूत करना चाहते हैं। राष्ट्रपति चुनाव में करोल नवरोकी की जीत के बाद देश में राजनीतिक हलचल बढ़ गई है।पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने मंगलवार को एलान किया कि उनकी सरकार पर 11 जून को संसद में विश्वास मत कराया जाएगा। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब राष्ट्रपति चुनाव में टस्क के करीबी उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ा है, जिससे देश में नई राजनीतिक परिस्थिति बन गई है। टस्क ने कहा कि राजनीतिक हालात जरूर बदले हैं क्योंकि हमारे पास अब नया राष्ट्रपति है, लेकिन संविधान और नागरिकों की उम्मीदें नहीं बदली हैं।बता दें कि हाल ही में हुए राष्ट्रपति चुनाव में वारसॉ के उदारवादी मेयर रफाल ट्र्जासकोव्स्की को रूढ़िवादी उम्मीदवार कारोल नवरोकी से कड़े मुकाबले में हार मिली। नवरोकी को 50.89झ् वोट मिले और उन्हें अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन प्राप्त था। अब इसका असर ऐसे भी पड़ सकता है कि नवरोकी की जीत से टस्क की यूरोपीय समर्थक नीतियों को झटका लग सकता है क्योंकि राष्ट्रपति के पास वेटो और विदेश नीति में दखल देने की शक्ति होती हैटस्क की गठबंधन सरकार में कई दल शामिल हैं।

विकास खण्ड स्तरीय कृषि निवेश मेलों का आयोजन 05 जून से प्रारम्भ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने शासन के निर्देशों के अनुपालन में खरीफ 2025-26 में कृषि सूचना तंत्र के सुदृरीकरण एवं वृ्षि जागरूकता कार्यक्रम योजनांतर्गत विकास खण्ड स्तरीय कृषि निवेश मेलों का आयोजन खरीफ, 2025 में किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश कृषकों के आय में वृद्धि, कृषि उत्पादन में स्थाई एवं नियमित वृद्धि, कृषकों का आर्थिक एवं सामाजिक उन्नयन, कृषकों में कल्याणकारी शासन का विश्वास उत्पन्न करना तथा किसानों के हितार्थ संचालित योजनाओं की जानकारी एवं लाभ कृषकों के द्वारा पर उपलब्ध कराना होता है। जिलाधिकारी ने बताया है कि किसान को लाभकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध होने पर यह नवीन तकनीक के साथ संतुलित खाद, उन्नत प्रमाणित बीज एवं अन्य कृषि निवेशों का प्रयोग कर सकता है, जिसके फलस्वरूप कृषि की उत्पादकता में वृद्धि होगी। इन सभी बिंदुओं को दृष्टिगत रखते हुए 05 जून से 18 जून 2025 तक विकास खण्ड स्तरीय कृषि निवेश मेलों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें विकास खण्ड राही, डीह में 05 जून को विकास खण्ड स्तरीय कृषि निवेश मेला का आयोजन किया जा रहा है। इसी प्रकार विकास खण्ड डलमऊ, दीनशाहगौरा में 06 जून को, विकास खण्ड आमावं, हरचंदपुर में 09 जून, विकास खण्ड जगतपुर, ऊंचाहार में 10 जून, विकास खण्ड लालगंज, सरेनी में 12 जून, विकास खण्ड सतावं, खीरों में 13 जून, विकास खण्ड महराजगंज, शिवगढ़ में 16 जून, विकास खण्ड बछरावां, रोहनियां में 17 जून, विकास खण्ड सलोन, छतोह में 18 जून को विकास खण्ड स्तरीय कृषि निवेश मेलों का आयोजन किया जाएगा है। जिलाधिकारी ने कहा है कि गोष्ठियों/कृषि निवेश मेलों के आयोजन में कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र, इफ्को, कृभको, इण्डोगल्फ आदि उर्वरक निर्माता कम्पनियों के प्रतिनिधि विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहेंगे। उर्वरक कम्पनियां, बीज उत्पादक कंपनियां, वृ्षि रक्षा रसायन उत्पादक कंपनियां, कृषि विज्ञान केन्द्र तथा कृषि एवं कृषि से सम्बन्धित समस्त विभाग अपना स्टाल लगाएंगे एवं एक पंजिका भी रखेंगे, जिसमें कृषकों द्वारा अपने सुझाव अंकित किये जायेंगे। कृषि निवेश मेलों में कृषि से सम्बन्धित सहयोगी विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी अनिवार्य रूप से भाग लेंगे। यू0पी0 एग्रो, बीज विकास निगम, कृषि उपकरण बनाने वाली कंपनियां स्प्रिंकलर, ड्रिप सिंचाई, सोलर पंप कंपनियां आदि भी अपने-अपने स्टाल लगायेंगे। साथ साथ यू0पी0 एग्रो, पी0सी0एफ0, सहकारिता विभाग अपने निवेशों को बिक्री हेतु उपलब्ध करायेंगे। इसके साथ ही साथ विकास खण्ड स्तर पर आयोजित होने वाले मेलों में सम्बन्धित विकास खण्ड के निजी निवेश आपूर्तिकर्ता भी अपने से सम्बन्धित निवेशों को बिक्री हेतु उपलब्ध करायेंगे। जिन निवेशों पर अनुदान की सुविधा है, वह किसानों को अनुदान के रूप में उपलब्ध करायेंगे, इसके लिए जिला कृषि अधिकारी एवं जिला कृषि रक्षा अधिकारी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से कहा है कि इन कृषि निवेश मेलों में संबंधित विभागों द्वारा चलायी जा रही योजनाओं के अन्तर्गत कृषकों को उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं का प्रचार-प्रसार कराया जाये। किसानों की मौखिक एवं लिखित शिकायत प्राप्त की जाए तथा इसका विवरण शिकायत कक्ष में रखी गयी पंजिका में अंकित किया जाये। प्राप्त शिकायतों को सम्बन्धित विभाग के प्रमुख अधिकारी नियमानुसार निराकरण करेंगे।

गंगा के किनारे रेस्टोरेंट में पीएनजी से खाना पकाने वाला देश का इकलौता शहर बनारस, जानें- खास

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। अधिकारी के अनुसार किसी भी देश में नदी किनारे पीएनजी की सप्लाई नहीं है। गेल की पीएनजी आपूर्ति का उद्घाटन मंगलवार को अस्सी स्थित रेस्टोरेंट में हुआ।पाइप्ड नैचुरल गैस (पीएनजी) की सप्लाई गंगा पीएनजी की सप्लाई नहीं है। गेल की पीएनजी आपूर्ति का उद्घाटन मंगलवार को अस्सी स्थित रेस्टोरेंट में हुआ। गेल के महाप्रबंधक व सीजीडी प्रभारी सुशील कुमार, गेल के मुख्य प्रबंधक नवाजिश अली अंसारी, मुख्य प्रबंधक प्रवीण गौतम ने बताया कि गंगा घाट किनारे

घाट तक पहुंच गई। अस्सी घाट स्थित बनारसी बाटी-चोखा रेस्टोरेंट में अब पीएनजी से ग्राहकों का भोजन पकेगा। गंगा घाट किनारे रेस्टोरेंट में गेल की पीएनजी आपूर्ति की शुरुआत देश में पहली बार काशी में हुई है। गेल अधिकारियों के अनुसार किसी भी देश में नदी किनारे रेस्टोरेंट में पहली बार पीएनजी की आपूर्ति शुरू हुई है। वर्तमान में गेल शहर के रेस्टोरेंट और होटलों समेत 90 वाणिज्यिक ग्राहकों को गैस की आपूर्ति कर रहा है। घाटों पर पाइपलाइन बिछाना चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन सभी के प्रयास से सफलता मिली।

जानकीपुरम के जानकी विहार कॉलोनी में हॉस्टल के युवकों का उपद्रव, गाड़ियां तोड़ी, कई घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

लखनऊ । लखनऊ के जानकीपुरम के जानकी विहार कॉलोनी में हॉस्टल के युवकों ने जमकर उपद्रव किया विरोध करने पर पथराव किया। जिसमें कई लोग घायल हो गए। लखनऊ के जानकीपुरम इलाके के

जानकी विहार कॉलोनी में बीती मंगलवार की रात लखनऊ बॉयज हॉस्टल में रहने वाले करीब 50 लड़कों ने कॉलोनी में जमकर उत्पात मचाया।असलहा, डंडा, बांका लेकर कॉलोनी में खड़ी तीन गाड़ियों का शीशा तोड़ दिया। विरोध करने पर पथराव किया जिसमें प्रदीप श्रीवास्तव के पैर में चोट लग गई। अंबुज मिश्रा का हाथ फ्रैक्चर हो गया। जबकि आदर्श उपाध्याय का सर फट गया, उन्हें चार टांके लगे हैं। अभिषेक के पैर में चोट आई है।सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से एक युवक को पकड़ लिया है। जानकी विकास महासमिति के पदाधिकारियों का आरोप है कि हॉस्टल को बंद कराने के लिए पांच बार पहले भी थाने में शिकायत की गई है, पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

आर्केस्ट्रा संचालक को बेचने की फिराक में थे दंपता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। खोराबार से लापता हुई 15 और 16 वर्षीय चचेरी बहनों को इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर नौकरी का झांसा दिया गया था। इसके चक्कर में फंसकर दोनों बिहार तक चली गईं। वहां आने के बाद अपने किए पर पछता रही हैं। पुलिस के मुताबिक, 23 मई को दोनों बहनों ने घरवालों को बिना बताए ही आरोपियों के साथ ट्रेन से बिहार चली गईं। वहां पर इंस्टाग्राम दोस्त गीता और उसके पति महेश ने दोनों बहनों को 1.50 लाख रुपये में पूर्णिया जिले के आर्केस्ट्रा संचालक को बेच दिया था। खोराबार इलाके से लापता चचेरी बहनों को बंधक बनाकर पूर्णिया जिले में 1.50 लाख रुपये में बेचा गया था। पुलिस के आने की भनक लगने पर वहां से दोनों को पूर्वी चंपारण जिले के मोतीहारी ले जाया गया था। वहां चार बार आरोपियों ने ठिकाना बदला था।किसी बिचौलिया की मदद से किशोरियों को फिर बेचने की तैयारी थी। इससे पहले पुलिस ने आरोपियों दबोच लिया। उनके पास से चचेरी बहनों को भी ढूंढ निकाला। खोराबार थाना प्रभारी इत्यानंद पांडेय ने बताया कि मंगलवार को किशोरियों का मेडिकल कराया गया है। बुधवार को कोर्ट के सामने पेश कर दोनों का बयान कराया जाएगा। किशोरियों ने कई अहम जानकारियां दी हैं। इससे माना जा रहा है कि बिहार में ये गिरोह लड़कियों की खरीद फरोख्त कर देह व्यापार के धंधे में धकेल देता है। आरोपी आर्केस्ट्रा की आड़ में गलत धंधा कर रहे हैं। बिहार पुलिस को भी एक रिपोर्ट भेजी गई है। इसके आधार पर बिहार के पूर्वी चंपारण की पुलिस टीम गिरोह के बारे में जानकारी जुटा रही है। वहीं गोरखपुर से भी एक तेज तर्रार पुलिस कर्मियों की टीम को भी चचेरी बहनों को खरीदने वाले आरोपियों की तलाश में लगाया गया है। पुलिस के मुताबिक, दंपती की गिरफ्तारी के लिए कई संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

पत्नी की गला काटकर हत्या, थाने पहुंचकर बोला कातिल पति- मैंने उसे मार डाला, मुझे गिरफ्तार कर ला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। सहजनवां थाना क्षेत्र के बाहीलपार निवासी अंगद शर्मा का गांव की युवती नेहा से प्रेम प्रसंग था। दोनों में प्यार परवान चढ़ने के बाद करीब दो वर्ष पूर्व

रजिस्टर्ड शादी कर ली। करीब दो महीना पहले अंगद ने सहजनवां नगर पंचायत के वार्ड नं-9 पिपरा में बुद्धिराम के मकान में प्रथम तल पर किराए का कमरा लिया और रहने लगे। नगर पंचायत के वार्ड नं- 9 पिपरा में सोते समय पति ने अपनी पत्नी की गर्दन काट कर निर्मम हत्या कर दी। शोर सुन आसपास के लोग पहुंचे तो आरोपित फरार हो गया। मृतिका की पहचान बाहीलपार निवासी 25 वर्षीय नेहा पत्नी अंगद शर्मा के रूप में हुई है। पुलिस मौके पर जांच पड़ताल कर रही है। सहजनवां थाना क्षेत्र के बाहीलपार निवासी अंगद शर्मा का गांव की युवती नेहा से प्रेम प्रसंग चलता था। दोनों में प्यार परवान चढ़ने के बाद करीब दो वर्ष पूर्व रजिस्टर्ड शादी कर ली। करीब दो महीना पहले अंगद ने सहजनवां नगर पंचायत के वार्ड नं-9 पिपरा में बुद्धिराम के मकान में प्रथम तल पर किराए का कमरा लिया और रहने लगे। कुछ दिन बाद पति अंगद शर्मा पेंट पालिश करने के लिए बाहर चला गया और नेहा किराए के कमरे में अकेली रहती थी। करीब बीस दिन पहले अंगद शर्मा सहजनवां आ गया और पति पत्नी साथ रहने लगे। बुधवार की सुबह करीब छह बजे के करीब आसपास के लोगों ने नेहा के चीखने की आवाज सुनी तो कमरे पर पहुंचे।

असिस्टेंट कमिश्नर योगेंद्र मिश्र किए गए निलंबित, बंगाल-सिक्किम क्षेत्र से संबद्ध किया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। इनकम टैक्स कार्यालय में बैठक के दौरान डिप्टी कमिश्नर गौरव गर्ग पर हमले के मामले में असिस्टेंट कमिश्नर योगेंद्र मिश्र को निलंबित कर दिया गया है। उन्हें बंगाल-सिक्किम क्षेत्र से संबद्ध कर दिया गया है। लखनऊ के हजरतगंज स्थित इनकम टैक्स कार्यालय में डिप्टी कमिश्नर गौरव गर्ग पर हमले के मामले में असिस्टेंट कमिश्नर योगेंद्र मिश्र को निलंबित कर दिया गया है। उन्हें बंगाल-सिक्किम क्षेत्र से संबद्ध कर दिया गया है।बता दें कि 29 मई को इनकम टैक्स दफ्तर के तृतीय तल पर आईआरएस के केबिन में बैठक चल रही थी। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों अधिकारियों में बहस हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि योगेंद्र मिश्र ने पानी का गिलास उठाकर गौरव गर्ग पर हमला कर दिया। इसके बाद बवाल बढ़ गया। बंद केबिन में दोनों अफसरों में मारपीट शुरू हो गई। बताया जा रहा है कि गौरव गर्ग के नाक से खून बहने लगा। गौरव गर्ग आईपीएस रवीना त्यागी के पति हैं। रवीना यहां डीसीपी मध्य के पद पर तैनात रही हैं। मामले में बुधवार को योगेंद्र मिश्र को निलंबित कर दिया गया है। बताया जाता है कि मार्च माह में राजधानी में आईआरएस अधिकारियों का क्रिकेट टूर्नामेंट कराया गया था, जहां योगेंद्र मिश्र ने टीम में शामिल नहीं करने पर जमकर हंगामा किया था। वह पिच पर ही बैठ कर अधिकारियों को भला-बुरा कहने लगे थे। साथ ही अधिकारियों को अपने परिवार में कई ब्यूरोक्रेट्स और जज होने की धमकी दे रहे थे। वह आयकर विभाग के कई अन्य अधिकारियों पर भी इस तरह दबाव बनाते थे। इसकी शिकायतें होने पर उनके खिलाफ उच्चस्तरीय जांच शुरू की गई थी। इसी जांच को प्रभावित करने के उद्देश्य से योगेंद्र मिश्र ने असिस्टेंट कमिश्नर गौरव गर्ग पर मुख्य आयकर आयुक्त के सामने हमला कर दिया। योगेंद्र की पत्नी एआरटीओ के पद पर तैनात हैं।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

TRADE OFFERS

100% Placement

★Computer Teacher Training (C.T.T.)
★Electrician
★Fire Safety & Industrial Security
★Repair of Refrigerator & A.C.
★Computer Operator & Programming Assistant (COPA)
★Welding Technology
★Certified In Yoga
★Security Service
★Home Appliances
★Computer Hardware & Networking

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

उत्तर प्रदेश

नोएडा, वाराणसी, गोरखपुर, मैहर, चित्रकूट

हरि गुणगान पुस्तक का हुआ भव्य विमोचन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा ।भावना मिलन अरोड़ा की भजन संग्रह पुस्तकठहरि गुणगानठका भव्य विमोचन हुआ।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूम में उपस्थित परम डॉक्टर अशोक मधुप ने अपने शब्दों से सभी को मन्त्रमुग्ध कर दिया, कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी और बहुत हीं शानदार वक्तित्व की धनी मीरा सिंह , समाजसेविका और अद्रीका एनजीओ की संस्थापिका रचना शाही , अधिवक्ता करुणा त्यागी , कंचन सिंह ,कृति यादव , अनीता त्रिपाठी,अनीता पंडित , संध्या श्रीवास्तव ,राजेश श्रीवास्तव, रेनबाला शर्मा , कविता सिंह की उपस्थिति रहीं, साथ हीं सभी साहित्य मनीषीयों ने अपनी -अपनी रचना सुंदर शब्दों में प्रस्तुत की, आदरणीय अशोक मधुप सर की भारत और पाकिस्तान के स्थितिओं पर आधारित रचना बहुत हीं अद्भुत रही इस कार्यक्रम में डॉक्टर मधुप जी को शॉल ओढ़ा कर और पौधे देकर सम्मानित किया गया, साथ हीं सभी सम्मानित अतिथियों को पौधे देकर सम्मानित किया गया।

जिलाधिकारी ने मुंशीगंज स्थित शहीद स्मारक स्थल पर चल रहे कार्यों का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने प्रमुख स्थलों के चल रहे सौन्दरीकरण कार्य के अंतर्गत मुंशीगंज स्थित शहीद स्मारक स्थल का निरीक्षण कर कार्य की गुणवत्ता देखीं। इस दौरान स्मारक स्थल के भीतरी एवं बाहरी भाग का भ्रमण कर वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं का अवलोकन किया । संबंधित पदाधिकारी को शहीद स्मारक स्थल के दोनों भाग में बेहतर साफ-सफाई के अलावा समस्त परिसर का रंग-रोगन, बिजली, पानी आदि के बारे में उचित दिशा-निर्देश दिया। इसके अलावा सांस्कृतिक आयोजनों के अवसर पर संभावित भीड़भाड़ को देखते हुए वाहनों की पार्किंग, सुचारू यातायात, सुरक्षा व्यवस्था आदि के संदर्भ में भी आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अमृता सिंह, प्रभारी पर्यटन अधिकारी सुरेश गिरी सहित संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

सीवरेज चैंबर में उतरे दो मजदूरों की मौत, एक को बचाने में गई दूसरे की जान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

गाजीपुर । गाजीपुर जिले में हैरान करने वाली घटना सामने आई है। बुधवार की दोपहर में सीवरेज चैंबर में उतरे एक मजदूर की मौत हो गई। उसे बचाने गए एक और शख्स की मौत हो गई। शहर कोतवाली क्षेत्र के नखास तिराहे पर सीवरेज चैंबर में उतरे मजदूर बलरामपुर जनपद के हरैया थाना के भक्ता गांव निवासी प्रहलाद (19) की मौत हो गई। उसे बचाने में होल में उतरे सरायगली निवासी वसीम (35) की मौत हो गई। घटना बुधवार को दोपहर 12 बजे हुई। जिसके बाद मौके पर अफरा- तफरी मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर भारी संख्या में लोग जुट गए। वहीं सूचना पर एएसपी सिटी ज्ञानेंद्र नाथ प्रसाद, एसडीएम मनोज कुमार पाठक, सीओ शेखर सिंगर मौके पर पहुंचे और लगभग डेढ़ बजे दोनों शवों को बाहर निकलवाया।

विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर निकाली गई साइकिल रैली

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। विश्व साईकिल दिवस के अवसर पर जिला खेल कार्यालय रायबरेली द्वारा साईकिल रैली का आयोजन किया गया। यह रेस मोतीलाल नेहरू स्पोर्टस स्टेडियम से होकर पुलिस लाईन चौराहे से वापस मोतीलाल नेहरू स्पोर्टस स्टेडियम

तक आयीं। जिला क्रीड़ाधिकारी ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिला क्रीड़ाधिकारी धीरेन्द्र कुमार पुरूषोत्तम ने खिलाडियों को साईकिल रेस के माध्यम से व्यायाम महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की आयोजनों का मुख्य उद्देश्य लोगों को स्वस्थ रहने का संदेश देना है। इस अवसर पर मुकेश कुमार क्रीड़ाधिकारी, बाबूलाल, नरेश कुमार निषाद, खेल प्रशिक्षक लीना सिह,श्रद्धा सोनकर, शोएब खान, पिन्कू कुमार, अश्वनी चन्द्रा व खिलाड़ी उपस्थित रहे।

वर्ल्ड एनवायरनमेन्ट एक्सपो 2025 ग्लोबल ग्रीन इनोवेशन्स के साथ वापस लौटा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा ।नोएडा स्थायी विकास, पर्यावरणी तकनीकों एवं हरित इनोवेशन्स पर भारत का सबसे बड़ा कार्यक्रम वर्ल्ड एनवायरनमेन्ट एक्सपो 2025 4 से 6 जून 2025 को ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर में लौट रहा है। ग्रीन सोसाइटी ऑफ इंडिया एवं इंडियन एक्ज़हीबिशन सर्विसेज़ द्वारा संयुक्त रूप से मुख्य मंत्रालयों, सरकारी विभागों एवं कारोबार संगठनों के सहयोग से आयोजित वर्ल्ड एनवायरमेन्ट एक्सपो 2025 ऐतिहासिक आयोजन होगा, जो दुनिया भर के विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं एवं आधुनिक तकनीकों को एक मंच पर लेकर आएगा। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री मंजिंदर सिंह सिरसा, उद्योग, खाद्य एवं आपूर्ति और पर्यावरण, वन एवं वन्य जीवन मंत्री (दिल्ली की एनसीटी सरकार) द्वारा किया जाएगा, जो इस अवसर पर मुख्य अतिथि होंगे। उनकी मौजूदगी जलवायु परिवर्तन के खिलाफ़ लड़ाई में पर्यावरणी सुधार और ओद्योगिक सहयोग के लिए बढ़ते नीतिगत सहयोग को दर्शाती है। नए एक्सपो जैसे बायोफ्यूल एक्सपो 2025, वर्ल्ड ऑफ रीसायक्लिंग एक्सपो 2025, रूफटॉप सोलर एक्सपो 2025 और बायोडीग्रेडेबल एक्सपो 2025 इस साल का आकर्षण केन्द्र हैं, जो वर्ल्ड एनवायरनमेन्ट एक्सपो के विस्तृत होते प्लेटफॉर्म का एक भाग हैं। बायोफ्यूल एक्सपो, बायोडीज़ल, एथेनॉल, बायोगैस, हाइड्रोजन एवं बायोमास टेक्नोलॉजी पर ध्यान केन्द्रित करते हुए भारत की तेज़ी से विकसित होती स्वच्छ ईंधन

प्रणाली पर रोशनी डालेगा। फ्यूल ग्रेड की प्लांट मशीनरी से लेकर प्रोसेसिंग उपकरणों तक एक्सपो में एनर्जी इनोवेटर्स, मशीन निर्माता एवं नीति निर्माता हिस्सा लेंगे। बायोडीग्रेडेबल एक्सपो में पैकेजिंग, ओद्योगिक उपयोग, कृषि एवं रोज़मर्रा के इस्तेमाल में काम आने वाले बायोडीग्रेडेबल विकल्प दर्शाए जाएंगे, जो कम व्यर्थ वाली सर्कुलर इकोनोमी की ओर भारत के रूपान्तरण को दर्शाते हैं। वर्ल्ड ऑफ रीसायक्लिंग एक्सपो 4 आर (रिफ्यूज़, रीड्यूस, रीयूज़ और रीसायकल) के सिद्धान्त पर आधारित है। तकनीकी इनोवेशन्स इस रूपान्तरण में मुख्य भूमिका निभाएंगे। वर्ल्ड एनवायरनमेन्ट एक्सपो में जर्मनी, यूएसए, जापान, चीन, यूके, फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया सहित 20 से अधिक देश हिस्सा लेंगे, ऐसे में यह 15000 से अधिक आगंतुकां, 100 से अधिक मेयर्स, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, निगमों, एनजीओ एवं सरकारी अधिकारियों को नेटवर्किंग एवं जानकारी के आदान प्रदान के लिए मंच उपलब्ध कराएगा। सम्मेलन में नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं, एनजीओ, उद्योगपतियों, अकादमिक लीडरों एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों सहित 2000 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। यह सम्मेलन पर्यावरण से जुड़े मुद्दों जैसे कार्बन उत्सर्जन, जलवायु परिवर्तन, स्थायी विकास, उर्जा दक्षता एवं स्मार्ट सिटीज़ पर चर्चा के लिए मंच प्रदान करेगा। कुल मिलाकर यह एक्सपो इन मुद्दों के समाधान पर चर्चा के लिए राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय हब की भूमिका निभाएगा। वर्ल्ड एनवायरमेन्ट 2025 के साथ होने वाले आयोजनः इंडिया बायोफ्यूल मीटः यह बायोफ्यूल विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं एवं उद्योग जगत के दिग्गजों को भारत में स्वच्छ ईंधन के भविष्य पर चर्चा के लिए मंच प्रदान करेगा। वर्ल्ड एनवायरमेन्ट कॉफ्रेन्स (सेव नेचर-सेव फ्यूचर): विश्वस्तरीय एवं स्थानीय विश्लेषज्ञों के साथ नीतिगत विषयों और पर्यावरणी चुनौतियो पर चर्चा के लिए सम्मेलन बायोडीग्रेडेबल एक्सीलेन्स अवॉर्ड्स- इस आयोजन में बायोडीग्रेडेबल विकल्पों एवं स्थायी प्रथाओं में अग्रणी लोगों, कंपनियों एवं संगठनों को सम्मानित किया जाएगा। ऑल इंडिया मेयर्स एण्ड आरडब्ल्यूए सामिटः शहरी लीडर्स एवं रेज़िडेन्शियल वेलफेयर एसोसिएशन्स के प्रतिनिधियों के लिए मंच, जहां उन्हें पर्यावरण से जुड़ी स्ट्रैटेजीज़ पर चर्चा का मौका मिलेगा। नेशनल सेमिनार ऑन कम्पोस्टेबल पैकेजिंग सोल्यूशन्स- एक टेकनिकल सेमिनार जो विभिन्न उद्योगों में कम्पोस्टेबल पैकेजिंग में इनोवेशन्स एवं मानकों पर रोशनी डालेगी।

रमेश सिंह काका पर 25 हजार का इनाम घोषित, जालसाजी के मामले में दो दिन पहले पाया गया था दोषी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मऊ। मऊ जिले की पुलिस ने आईआर गैंग 212 के मुख्य आरोपी रमेश सिंह काका की गिरफ्तारी के लिए 25 हजार रुपये इनाम की घोषणा की है। वह जालसाजी के मामले में दोषी पाया गया है। आईआर गैंग 212 के मुख्य आरोपी रमेश सिंह काका की गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रशासन ने बुधवार को 25 हजार रुपये इनाम का घोषित किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई सीजेएम कोर्ट में विचाराधीन जालसाजी मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद फैसले के समय से गायब होने पर किया है। इनाम की राशि की जानकारी देते हुए एसपी इलामारन जी ने बताया कि सरायलंखसी थाना क्षेत्र के कैथवली गांव निवासी रमेश सिंह काका प्रदेश स्तर का माफिया, हिस्ट्रीशाटर, टॉप टेन अपराधी के रूप में पंजीकृत है। उसके खिलाफ शहर कोतवाली में पंजीकृत 1309/2010 धारा 419, 420, 467, 468, 471 भादवि से संबंधित बीते एक जून को सीजेएम कोर्ट द्वारा इसे और उसके एक सहयोगी जावेद आजमी को दोषी करार किया था। दो जून को इसको लेकर फैसला आना था, लेकिन इसके रमेश सिंह काका कोर्ट में नहीं पहुंचा, उधर कोर्ट ने इस मामले में मौजूद दूसरे आरोपी जावेद आजमी को चार वर्ष की सजा सुनाई गई। उधर, कोर्ट द्वारा एनबीडब्लू वारंट जारी करने के बाद पुलिस फरार रमेश सिंह की गिरफ्तारी को लेकर दबिश दे रही है। वहीं इस मामले में पुलिस ने रमेश सिंह काका पर 25 हजार रुपये का इनाम की घोषित किया है।

पुलिस के हत्थे चढ़ा महिला के गले से चेन छीनने वाला बदमाश, 31 चोरी की घटनाओं में है शामिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मऊ। मऊ जिले की पुलिस के हत्थे चेन छीनने का आरोपी चढ़ा है। पकड़े गए आरोपी पर मऊ, गाजीपुर, बलिया में चोरी के 31 मुकदमे दर्ज हैं। मऊ शहर के निजामुद्दीन पुरा मोहल्ले में टहलने निकली महिला के गले से चेन छीनने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस संबंध में पुलिस ने शहर कोतवाली में खुलासा किया।कोतवाली में खुलासा करते हुए सीओ सिटी अंजनी कुमार पांडेय ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी गाजीपुर जिले के शहर कोतवाली का रहने वाला ओमप्रकाश बिंद है। नगर के डीसीएसके पीजी कॉलेज के पास उसने घटना को अंजाम दिया था। वह बाइक से पहुंचा और महिला के गले से छीनकर फरार हो गया।पुलिस ने इसकी गिरफ्तारी के लिए सर्विलांस और सीसीटीवी कैमरा की मदद लिया, इसके बाद पुलिस द्वारा आरोपी पकड़ा गया। आरोपी के पास से कुछ पीली व सफेद धातु, एक मोबाइल व एक तमंचा व कारतूस, एक दो पहिया वाहन बरामद हुआ। सीओ सिटी अंजनी कुमार पांडेय ने बताया कि गिरफ्तार ओमप्रकाश बिंद पर विभिन्न जनपदों में 31 चोरी के मुकदमे दर्ज हैं।

अस्पताल परिसर से बच्चा हुआ चोरी मचा हड़कंप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। मेडिकल कॉलेज एव जिला अस्पताल के प्रसव वार्ड से सोमवार की सुबह छे दिन का बच्चा चोरी होने की सूचना से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार चंदौली जिले के नौगढ़ से आई महिला ने 27 मई को आपरेशन से बच्चे को जन्म दिया था। बच्चा चोरी करने वाली महिला का अस्पतला के सीसीटीवी फुटेज में भी बच्चा ले जाती दिख रही है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच में जुट गई है। चंदौली जिले के नौगढ़ निवासी पीड़ित सुदामा ने बताया कि उसकी पत्नी 27 वर्षीय पूनम को 27 मई को मेडिकल कालेज से सम्बद्ध जिला अस्पताल में आपरेशन से पहला लड़का पैदा हुआ था।पति सुदामा ने बताया कि उसकी पत्नी पूनम को प्रसव के बाद वार्ड में भर्ती किया गया था। पति का आरोप है कि उसी वार्ड में पिछले कुछ दिनों से एक महिला रह रही थी। उसने बताया था कि उसके किसी रिश्तेदार का भी यही इलाज चल रहा है। उक्त महिला अक्सर उसकी पत्नी के पास बैठा करती थी। सुदामा ने बताया कि सोमवार की सुबह पूनम की मां खाना लेने के लिए राबर्ट्सगंज

नगर के अपने घर चली गई। वह अपनी पत्नी के पास ही मौजूद था। इसी दौरान उक्त महिला ने उसे जलेबी लाने के लिए भेज दिया। जब वह जलेबी लाने के लिए वार्ड से निकला तो उसकी पत्नी पूनम बेडशीट बदल रही थी और बच्चे को दूसरे बेड पर लिटा दिया था। इसी दौरान उक्त महिला ने बच्चे को लेकर फरार हो गई। बच्चे को लेकर जाते हुए महिला अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज में भी नजर आ रही है। बच्चे के गायब होते ही महिला ने शोर मचाना शुरु कर दिया। शोर सुनकर वार्ड में लोग इकट्ठा हो गए। वहीं बच्चा चोरी की सूचना मिलते ही अस्पताल में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। वहीं बच्चे की मां का रो-रोकर बुरा हाल था। लोढ़ी चौकी प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि पति सुदामा ने मामले की तहरीर दी है। मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। वहीं सीसीटीवी फुटेज के आधार पर महिला की तलाश की जा रही है। शीघ्र ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। अब बता दे की मेडिकल कॉलेज सुरक्षा व्यवस्था व संबंधित स्टाफ को लेकर आए दिन सवाल खड़े होते हैं अब इतने बड़े गौर जिम्मेदना हरकत के बाद क्या अस्पताल प्रबंधन संबंधित ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी किसकी होगी जिम्मेदारी किसी पर गिरेगी गाज बस यह जांच का ही रह जाएगा विषय।

मातृ शिशु कल्याण महिला कर्मचारी संघ की बैठक में समस्या पर चर्चा हुई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। 1-श्रीमती रेनू यादव स्वास्थ्य कार्यकर्ता (संविदा) के पद पर सी0एच0सी0 हरचन्दपुर में कार्यरत है। वहां पर आरती सिंह बी0पी0एम0 जो कि विगत 15 वर्षों से तैनात हैं, उनके द्वारा नर्सिंग होम रायबरेली में चलाया जा रहा है। इनके द्वारा श्रीमती रेनू यादव पर

अनैतिक दबाव बनाया जाता है कि तुम मेरे यहां मरीजों को भेजो या तुम्ही भर्ती हो जाओ तथा रिश्वत की मांग करती है, रिश्वत नहीं देने पर ये श्रीमती रेनू यादव के साथ अभद्रता करते हैं तथा संविदा समाप्त करने की धमकी देती है। उक्त संविदा कर्मी को मानसिक व आर्थिक रूप से आरती सिंह बी0पी0एम0 द्वारा लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है तथा आत्महत्या करने के लिये उकसाया जा रहा है। उक्त संविदाकर्मी कभी भी आत्महत्या कर सकती है, जिसकी जिम्मेदार आरती सिंह बी0पी0एम0 व इनके सहयोग में सम्मिलित कर्मचारी/अधिकारों की होगी। पूर्व में भी कई भ्रष्टाचार के मामलों मे आरती सिंह बी0पी0एम0 लिप्त पायी गयी। जांच होने पर बी0सी0पी0एम0 देवेन्द्र विक्रम सिंह व संगिनी मंगेश की सेवायें समाप्त कर दी गयीं, किन्तु आरती सिंह बी0पी0एम0 अपनी ऊँची पहुंच व अधिकारियों के साथ सांठ-गांठ करके अपने आपको बचा लिया। यदि उपरोक्त आरती सिंह बी0पी0एम0 के द्वारा किये गये भ्रष्टाचार व इसकी सांठ-गांठ में शामिल लोगों की उच्च स्तरीय जांच करायी जाये तो सत्यता स्वतः परिलक्षित हो जायेगी, कि इनके द्वारा पूर्व में कितने भ्रष्टाचार किये गये हैं। आपके संज्ञान में यह भी लाना अति आवश्यक है कि श्रीमती रेनू यादव स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा दिनांक 31.05.2025 को एक प्रार्थना पत्र संगठन को दिया है, जो आपके साथ-साथ अन्य को पृष्ठांकित है, जिसमें अंकित है कि उपरोक्त श्रीमती रेनू यादव स्वास्थ्य कार्यकर्ता काफी परेशान व मानसिक रूप से पीडित है और आत्महत्या करने की बात भी अंकित है। संगठन द्वारा उपरोक्त स्वास्थ्य कार्यकर्ता को काफी समझाया-बुझाया गया कि वह इस प्रकार का कृत्य न करें, हम सभी मिलकर श्रीमती आरती सिंह बी0पी0एम0 के विरूद्ध कार्यवाही करवाये जाने हेतु प्रार्थना पत्र देकर (2) उसकी सेवाये अवश्य समाप्त करवायेंगे। कृपया प्रकरण की गम्भीरता को दृष्टिगत रखते हुए श्रीमती आरती सिंह बी0पी0एम0 के विरुद्ध उच्च स्तरीय जांच करवाकर दोषियों के विरुद्ध विधकि कार्यवाही करवाये जाने की कृपा की जाये, जिससे श्रीमती रेनू सिंह स्वास्थ्य कार्यकर्ता के साथ-साथ अन्य पौड़ितों को भी न्याय मिल सके। 2 यह कि आरोग्य मेले में स्वास्थ्य कार्यकर्ता (महिला) की ड्यूटी लगायी जाती है. किन्तु वैक्सीन कैरियर नहीं पहुंचाया जाता है, स्वास्थ्य कार्यकर्ता स्वयं सम्बन्धित सी0एच0सी0 जाकर वैक्सीन कैरियर लेकर आती हैं और कार्य समाप्त होने पर उसे स्वयं ही सम्बन्धित सी0एच0सी0 जाकर वापस करना मड़ता है, जिससे उन्हें काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। कृपया वाहक द्वारा वैक्सीन कैरियर पहुंचाया जाना सुनिश्चित किया जाय, जिससे महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की कठिनाईयों का निराकरण हो सके। 3-यह कि रिक्त स्थानों पर महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की ड्यूटी लगायी जाती है, कृपया टीकाकरण हेतु वाहन उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय। 4-यह कि अनटाइन्ड फण्ड की धनराशि सी0एच0ओ0 के खाते में आती है। मांग पत्र देने के बाद भी महिला स्वास्थ्यकर्ताओं को समान उपलब्ध नहीं कराया जाता है, जिससे कार्य बाधित होता है। कृपया मांग पत्र के अनुसार महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को समान उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय। 5-यह कि जिन महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की ए0सी0पी0 16 वर्ष व 10 वर्ष पर लगायी जा चुकी है, लेकिन उसके एरियर का भुगतान वर्ष 2021-22 में होना था, कई बार प्रार्थना पत्र देने के बाद भी अद्यतन एरियर का भुगतान नहीं किया गया है। कृपया एरियर का भुगतान यथाशीघ्र कराया जाना सुनिश्चित किया जाय। अतः आपसे अनुरोध उपरोक्त बिन्दु सं-1 का यथाशीघ्र तथा बिन्दु सं0-2 से 5 का संज्ञान लेकर 07 दिन के अन्दर समस्याओं का निराकरण करने/कराने का कष्ट करें अन्यथा संगठन बाध्य होकर कार्य बहिष्कार, अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करने हेतु बाध्य होगा, जिसमें होने वाली समस्त समस्याओं की जिम्मेदारी आप व शासन/प्रशासन की होगी।

हाईकोर्ट के रिटायर्ड रजिस्ट्रार से की थी 49 लाख की साइबर ठगी, तीन जालसाजों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। वाराणसी जिले में 11 मई को साइबर थाने में पीड़ित ने शिकायत दर्ज कराई थी। छानबीन के बाद तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है। पटना हाईकोर्ट के रिटायर्ड असिस्टेंट रजिस्ट्रार सुभाष चंद्रा श्रीवास्तव ने बताया कि मामले के खुलासे के लिए साइबर क्राइम थाना प्रभारी अजय राज शर्मा के नेतृत्व में इंस्पेक्टर विजय कुमार यादव, एएसआई श्याम लाल गुप्ता और अन्य पुलिसकर्मियों की गठित की गई। पुलिस टीम ने मोबाइल नंबरों, लेनदेन के लिए इस्तेमाल किए गए बैंक खातों और सर्विलांस की मदद

को डिजिटल अरेस्ट कर 49 लाख रुपये की ठगी के मामले में साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में लखनऊ के कैंट थाने के आजाद मोहाल, सदर बाजार के गौरव जायसवाल और सीतापुर जिले के हटौरा खैराबाद के ताबिश उर रहमान व कजियारा खैराबाद के असद वकील खान शामिल हैं। इनके पास से तीन मोबाइल फोन और 3,335 रुपये बरामद किए गए हैं।आदर्श नगर, शिवाजी नगर, महमूरगंज निवासी सुभाष चंद्रा की तहरीर पर गत 11 मई को साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। सुभाष चंद्रा का आरोप है कि उन्हें गिरफ्तारी का भय दिखाकर साइबर ठगों ने उनसे 49 लाख रुपये की साइबर ठगी की। एडीसीपी (क्राइम) श्रुति से आरोपियों का डिजिटल फुट प्रिंट तैयार किया। तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर गिरोह के अन्य जालसाजों की तलाश की जा रही है।पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि हमारा गिरोह आमजन को पैसे का लालच देकर उनका खाता बैंक में खुलवाता है। उन बैंक खातों में क्रेडिट की गई धनराशि का कुछ हिस्सा भी खाताधारक को दिया जाता है। खाता खुलवाने के बाद उससे संबंधित इंटरनेट बैंकिंग और डेबिट कार्ड बैंकिंग का एक्सेस अपने पास ले लिया जाता है। उसके बाद इन्हीं खातों में साइबर ठगी से संबंधित धनराशि को मंगवाई जाती है। फिर पैसे को अन्य बैंक खातों में ट्रांसफर कर नकदी निकाल ली जाती है। गिरोह के विदेशी साथियों को अपना कमीशन काटते हुए डालर में पेमेंट किया जाता है।

थाना चोपन पुलिस द्वारा शान्ति व्यवस्था के दृष्टिगत कुल 07 नफर अभियुक्तगण के विरूद्ध की गई निरोधात्मक कार्यवाही

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अशोक कुमार मीणा के द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी रोकथाम लगाने व वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण/नेतृत्व में आज दिनांक 02.06.2025 को थाना चोपन पुलिस द्वारा शान्ति व्यवस्था के दृष्टिगत कुल 07 नफर अभियुक्तगण के विरूद्ध धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय भेजा गया । **गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण**-1 .जयमंगल उर्फ लल्लू केवट पुत्र फत्ते केवट निवासी ग्राम करगरा थाना चोपन सोनभद्र उम्र करीब 50 वर्ष2 .गुलाब केवट पुत्र फत्ते केवट निवासी ग्राम करगरा थाना चोपन सोनभद्र उम्र करीब 58 वष3 .बजरंगी पुत्र स्व0

सुखनन्दन उर्फ सुखलाल निवासी ग्राम कुरुहुल थाना चोपन जनपद सोनभद्र उम्र करीब 55 वर्ष4 .दुर्गेश पुत्र लाले निवासी ग्राम कुरुहुल थाना चोपन सोनभद्र उम्र करीब 30 वर्ष5 .उमेश पुत्र लाले निवासी ग्राम कुरुहुल थाना चोपन सोनभद्र उम्र करीब 28 वष6 .अमित पुत्र शिवशंकर निवासी ग्राम पुरनाजिम थाना पन्नुगंज सोनभद्र उम्र करीब 22 वर्ष7 .अवधेश कोल पुत्र लालता कोल निवासी मारकुण्डी कोल बस्ती थाना चोपन सोनभद्र उम्र करीब 35 वर्ष**गिरफ्तार करने वाली टीम का विवरण**-1 .उ0नि0 धर्मनारायण भार्गव चौकी प्रभारी गुरमा थाना चोपन जनपद सोनभ2 .उ0नि0 अभयनाथ यादव थाना चोपन जनपद सोनभद्र3 .उ0नि0 बलजीत भारद्वाज थाना चोपन जनपद सोनभद्र4 .हे0का0 पप्पू यादव थाना चोपन जनपद सोनभद्र5 .हे0का0 दिलीप यादव थाना चोपन जनपद सोनभ6 .का0 धीरज कुमार चौकी गुरमा थाना चोपन जनपद सोनभद्र 7 .का0 आनन्द कुमार राव चौकी गुरमा थाना चोपन जनपद सोनभद्र।

मिर्जापुर, सोनभद्र, रायबरेली

कोन की पीड़ा को मिली आवाज़

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
कोन । अपना दल एस युवा मंच प्रदेश उपाध्यक्ष आनन्द पटेल दयालु के संघर्ष को मिली पहली सफलता कोन सोनभद्र ब्लॉक का सरकारी अस्पताल, जहां दो लाख की आबादी सिर्फ एक डॉक्टर और बिना दवा का दर्द लेकर लखनऊ गया और आज उन्हें न्याय की पहली किरण दिखाई दी है।माननीया अनुप्रिया पटेल जी ने संवेदनशीलता और तत्परता के साथ भरोसा दिलाया बहुत जल्द कोन ब्लॉक में डॉक्टरों और दवाओं की समुचित व्यवस्था

के सहारे जी रही थी, वहां की आवाज़ को आखिरकार एक सच्चा जनसेवक मिला अपना दल एस युवा मंच प्रदेश उपाध्यक्ष आनन्द पटेल दयालु।बीते कई दिनों से हस्ताक्षर अभियान चलाकर गांव-गांव की पीड़ा को इकट्ठा किया गया। जनता की बेबसी और तकलीफ को संजोकर अपना दल एस के लखनऊ स्थित कार्यालय में भारत की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री भारत सरकार तथा अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अनुप्रिया पटेल जी को ज्ञापन सौंपा गया।आनन्द पटेल दयालु ने स्पष्ट कहा जब अपने लोग इलाज के लिए तरसें, जब अस्पताल में न डॉक्टर हो, न दवा – तब चुप रहना पाप होता है। मैं अपनी माटी के लोगों कराई जाएगी।यह केवल एक राजनीतिक जवाब नहीं था – यह उस मां की उम्मीद है जो अपने बच्चे का इलाज चाहती है, उस किसान की राहत है जिसे दवा के बिना खेत में काम करना पड़ता है, उस बुजुर्ग की आंखों का सुकून है जो अब अस्पताल से खाली हाथ नहीं लौटेगा।आनन्द पटेल दयालु ने दो टूक कहा मेरी लड़ाई अस्पताल में सिर्फ डॉक्टर और दवा तक सीमित नहीं, यह लड़ाई है सम्मान और अधिकार की। जब तक अंतिम व्यक्ति को इलाज नहीं मिलेगा, तब तक यह संघर्ष रुकेगा नहीं।आज कोन के आम जनमानस ने एक बार फिर यकीन किया है अगर आवाज़ सच्ची हो, और नीयत साफ हो, तो लखनऊ तक दीवारें भी सुनती हैं।

एस0एस0ए0/ भवन निर्माण में गुणवत्ता विहीन कार्य दिए एफआईआर को पत्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।- जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, कार्यालय, सोनभद्र के निर्माण कार्य हेतु आवंटित अन्तिम हजार मात्र) प्राप्त हुआ हैं। आप द्वारा उपलब्ध कराये गये विवरणानुसार अन्तिम किश्त की धनराशि आपकी संस्था को संस्था द्वारा कोई रुचि नही लिया जा रहा हैं।वहीं उक्त के काम में आपको अन्तिम रुप से इस पत्र के माध्यम से अनुरोध हैं कि विभागीय

किश्त की धनराशि के उपभोग गलत तरीके से किया जा रहा है जिसको लेकर बीएसए मुकुल आनंद पांडेय द्वारा जिलाधिकारी मुख्य विकास अधिकारी सहित उच्च स्तरीय अधिकारियों को पत्र देकर मामले से कराया औकात संबंधित कड़ाई संस्था के खिलाफ फिर कराकर निर्माण कर सहित तरीके से गुणवत्तापूर्ण कराए जाने की बात कही।बता दें कि जनपद सोनभद्र के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के निर्माण कार्य हेतु अन्तिम किश्त के रुप में 119.30 लाख (एक करोड़ उन्नीस लाख तीस जिलाधिकारी के अनुमति पूर्व के महीनों में हस्तांतरित किया जा चुका हैं। तत्क्रम में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय / एस0एस0ए0/ भवन निर्माण/ में विभागीय मानक एवं गुणवत्ता के अनुसार निर्माण कार्य पूर्ण कराने तथा वित्तीय एवं भौतिक प्रगति उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया था। किन्तु अद्यतन कोई भी निर्माण कार्य के सम्बन्ध में रिपोर्ट उपलब्ध नही कराया गया हैं। इससे ऐसा प्रतित होता हैं कि स्वीकृत धनराशि शत-प्रतिशत उपलब्ध कराने के बावजूद भी कार्य अद्यतन अपूर्ण हैं तथा कार्य कराने में आपकी मानक एवं गुणवत्ता के अनुसार निर्माण कार्य की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति उपलब्ध कराते हुये निर्माण कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। अन्यथा की स्थिति में जिलाधिकारी के संज्ञान में लाते हुये एफ0आई0आर0 दर्ज कराने की कार्यवाही कर दी जायेगी। इस संदर्भ में बीएसए मुकुल आनंद पांडेय ने बताया कि निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य में लापरवाही पाई गई जिसको लेकर जिलाधिकारी को पत्र देकर संबंधित कारवाई संस्था के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने को पत्र भेजा गया है।

सिंचाई विभाग संयुक्त कर्मचारी संघ का विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सिंचाई विभाग संयुक्त कर्मचारी संघर्ष समिति बैनर तले पदाधिकारी द्वारा बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर में विरोध प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री नामित ज्ञापन जिला अधिकारी प्रतिनिधि को देखकर बुलंद की आवाज। वही नेतृत्व कर रहे राकेश कुमार सिंह ने बताया कि सिंचाई विभाग के रीढ़ अतिमहत्वपूर्ण पद जैसे उपराजस्व अधिकारी, जिलेदार, मुंशी, हेड मुंशी, पदों की संख्या में कटौती तथा नलकूप चालक, सीचपाल के साथ-साथ मिस्त्री कम ड्राइवर, व अन्य आवश्यक पदों को समाप्त किये जाने के शासनादेश दिनांक 14.05. से कार्मिक समुदाय में अत्यन्त ही रोष व असंतोष व्याप्त है। इसके विरोध में 16.05. को विभाग के समस्त मान्यता प्राप्त संगठनों की बैठक में सर्वसम्मति से सिंचाई विभाग संयुक्त कर्मचारी संघर्ष समिति उ0प्र0 का गठन किया गया। इसके साथ ही -20.05. एवं 21. 05. को काला फीता धारण कर प्रदेश व्यापी विरोध प्रदर्शन किया गया, इसके उपरान्त दिनांक 28.05. को प्रदेश के समस्त कार्यलयों में भोजनावकाश के दौरान गेट मीटिंग के माध्यम से न्याय प्राप्त करने का प्रयास किया गया। सकारात्मक कार्यवाही न होने के कारण प्रदेश के समस्त संवर्गों के कर्मचारियों भारी आकोश व्याप्त है।उल्लेखनीय है कि उक्त पदों को अनुपयोगी मानने से विभाग में नहरों, लघुडाल नहरों एवं राजकीय नलकूपों के संचालन, रख-रखाव एवं विभागीय परिसंपत्तियों की सुरक्षा में भारी कठिनाई होना अवश्यम्भावी है। यह कार्मिक ग्राम स्तर पर रहकर किसानों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराने में महती भूमिका का निर्वहन पूर्ण निष्ठा से करते हैं। इनकी अनुपस्थिति में पूरी व्यवस्था धरासायी होना सुनिश्चित है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री का प्रदेश के चतुर्मुखी विकास, युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार मुहैया कराये जाने हेतु समस्त रिक्त पदों को भरे जाने एवं आवश्यक नये पदों का सृजन कर उ0प्र0 के किसानों को उत्कृष्ट सिंचाई उपलब्ध कराने के दृढ़ संकल्प पर कुठाराघात के समान है। वहीं इस सम्बन्ध में उच्च स्तर पर वार्ता का समय नही दिया जा रहा है, जिससे वार्ता के अभाव में महत्वपूर्ण मांग पर कोई कार्यवाही नहीं हुई हैं। सिंचाई विभाग संयुक्त कर्मचारी संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश द्वारा निरन्तर किये जा रहे पत्राचार एवं अनुरोध को भी शारान एवं विभाग द्वारा संज्ञान नही लिया जा रहा है। इन परिस्थितियों में कर्मचारी के समक्ष ठकरो या मरोठ की स्थिति उत्पन्न हो गयी है।-2- अस्तु आपसे सिंचाई विभाग संयुक्त कर्मचारी संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश का विनम्र अनुरोध है, कि सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 के पदों को मृत घोषित करने के शारानादेश को समाप्त करे। इस मौके पर संजय कुमार चौबे राजेश कुमार सिंह ओमप्रकाश अखिलेश चौबे अजय कुमार अश्वनी कुमार राजेश कुमार रवि कुमार वर्मा अजय कुमार भारती सहित आदि लोग मौजूदरहे।

सोनभद्र पुलिस की प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप मा0 न्यायालय द्वारा दी गयी सजा का विवरण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश लखनऊ महोदय व श्रीमान् अपर पुलिस महानिदेशक, वाराणसी जोन, वाराणासी श्री पीयूष मोर्डिया के निर्देशन, श्रीमान पुलिस महानिरीक्षक, विन्ध्याचल परिक्षेत्र मिर्जापुर श्री आर0पी0 सिंह के कुशल पर्वेक्षण में जनपद सोनभद्र में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे 'क्ष्र्ज्ञूदह ण्दहन्म-ूदह' अभियान के क्रम में अभियुक्तों को सजा दिलाने हेतु प्रभावी पैरवी के लिए सम्बन्धित थाना प्रभारी व पैरोकारों को अपराधियों को अधिक से अधिक सजा दिलाने हेतु निर्देशित किया गया था। जनपद सोनभद्र पुलिस/मॉनिटरिंग सेल एवं अभियोजन पक्ष तथा कोर्ट पैरोकार/ मोहर्रिर के अथक प्रयास एवं प्रभावी पैरवी से आज दिनांक-04.06.2025 को थाना विण्ढ़मगंज से सम्बन्धित अभियोग में मा0 न्यायालय द्वारा सुनाई गयी सजा- थाना विण्ढ़मगंज पर पंजीकृत मु0अ0सं0-58/2022 धारा 354, 506 भादवि व धारा 7/8 पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित प्रकरण में अभियुक्त मो0 आजाद उर्फ सोनू पुत्र अनवारुलहक निवासी बैरखड़ थाना विण्ढ़मगंज, जनपद सोनभद्र के विरुद्ध लगातार किये गये प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप मा0 न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश स्पे0 पॉक्सो सोनभद्र द्वारा अभियुक्त उपरोक्त को धारा 7/8 पॉक्सो एक्ट व धारा 506 भादवि में 04 वर्ष का कठोर कारावास व कुल 22,000 रुपये का अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अर्थदण्ड अदा न करने पर 01 माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

आर्य युवक शिविर का चतुर्थ दिवस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में एमिटी इंटरनेशनल स्कूल नोएडा में चल रहे चरित्र निर्माण शिविर में मुख्य अतिथि कृष्ण कुमार यादव ने शिविरार्थिओं को संबोधित करते हुए कहा कि अभिवादन करने वाले की आयु, विद्या,यश और बल चारों नित्य बढ़ते हैं इसलिए अपने माता-पिता और गुरुजनों को प्रतिदिन प्रातः नमस्ते किया करें।उन्होंने आगे कहा की मनुष्यता का पाठ केवल इन शिविरों में दिया जाता है इसी से राष्ट्र का कल्याण होगा। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के यशस्वी प्रधान स्वामी आर्यवेश ने कहा कि पराई स्त्री पर कभी भी गलत नजर नहीं डालनी चाहिए और उसका अपनी माँ की तरह सम्मान करना चाहिए।दूसरे के धन संपत्ति पर भी कभी गलत दृष्टि नहीं डालनी चाहिए और उसे मिट्टी के समान समझना चाहिए।अपने परिश्रम से अर्जित की हुई धन-संपत्ति को ही अपनी संपत्ति समझना चाहिए। सभी के साथ एक समान व्यवहार करना चाहिए।सब के अंदर स्वयं की छवि देखना चाहिए।ऐसा आचरण करने वाला मनुष्य ही वास्तव मे विद्वान होता है। मुख्य वक्ता आचार्य गवेन्द्र शास्त्री ने कहा कि परिषद का मूलभूत उद्देश्य शिविरों के माध्यम से बच्चों में संस्कारों का बीजारोपण करना है।उन्होंने आगे कहा कि गायत्री मंत्र के जप से बुद्धि तीव्र होती है,पाठ जल्दी याद होता है,नींद अच्छी आती है।अपना लक्ष्य बड़ा निर्धारित करें और उसे लगन मेहनत से प्राप्त करें।

पिंडरा अधिवक्ता संघ द्वारा कार्य बहिष्कार का पूर्ण समर्थन-राकेश शरण मिश्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पिंडरा तहसील में बैनामा के बाद खारिज दाखिल होने में लग रहे कई माह के समय को लेकर पिंडरा तहसील के अधिवक्ता द्वारा मंगलवार से किए जा रहे कार्य बहिष्कार का संयुक्त अधिवक्ता महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश शरण मिश्र ने पूर्ण समर्थन किया है। साथ ही उन्होने समस्या के बाबत प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर आमजन की इस समस्या का तत्काल समाधान करने का अनुरोध किया है। संयुक्त अधिवक्ता महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में आरोप लगाया है कि पिंडरा तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण बैनामा से लेकर खारिज दाखिल तक अधिवक्ताओं और वादकारियों को अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जो काम बैनामा के बाद अधिकतम 45 दिनों में होना चाहिए उसे पूरा होने में 120 से 150 दिन लग जा रहे हैं जिसमे लेखपाल कानूनगो एवम सबंधित अधिकारियों की घोर लापरवाही है। श्री मिश्र ने मुख्यमंत्री से अपने पत्र में मांग की है कि आम जन के कार्य के प्रति घोर लापरवाही करने वाले जिम्मेदार पदों पर बैठे कर्मचारियों एवम अधिकारियों को तत्काल निलंबित करने का कष्ट करे एवम ईमानदार और कर्मठ कर्मचारियों और अधिकारियों की तैनाती करे जिससे अधिवक्ताओं और वादकारियों को राहत मिल सके।अन्यथा पिंडरा तहसील के अधिवक्ताओं का आंदोलन प्रदेश व्यापी आंदोलन बनने से रोकना मुश्किल होगा और जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रदेश सरकार की होगी।

उ0 प्र0 माटीकला बोर्ड द्वारा जनपद में संचालित 'माटीकला कौशल विकास योजना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा जिला अधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गौतमबुद्धनगर अनिल कर्णवाल ने बताया कि जनपद में उ0 प्र0 माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित 'माटीकला कौशल विकास योजना' अन्तर्गत 15 दिवसीय शिल्पकारी प्रशिक्षण हेतु 10 प्रशिक्षार्थियो के चयन का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इस योजनान्तर्गत चयनित आवेदकों को निःशुल्क 15 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जायेगा।

दोषी ट्यूशन शिक्षक मोहम्मद आजाद उर्फ सोनू को 4 वर्ष की कठोर कैद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। करीब तीन वर्ष पूर्व नाबालिग छात्रा के साथ हुए छेड़खानी के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट अमित वीर सिंह की अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी ट्यूशन शिक्षक मोहम्मद आजाद उर्फ सोनू को 4 वर्ष की कठोर कैद एवं 22 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड अदा न करने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 15 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक विंढमगंज थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता की मां ने विंढमगंज थाने में 23 जून 2022 को दी तहरीर में आरोप लगाया था कि उसकी नाबालिग बेटी कक्षा 10 की छात्रा है। उसे ट्यूशन पढ़ाने घर पर शिक्षक मोहम्मद आजाद उर्फ सोनू पुत्र अनवारुलहक निवासी बैरखड़, थाना विंढमगंज, जिला सोनभद्र आता था। जिसे उसकी बेटी अपना गुरु मानती थी। 6 माह तक घर आकर शिक्षक आजाद बेटी को ट्यूशन पढ़ाया था।जिसके चलते बेटी सम्मान करती थी, लेकिन गुरु जी ट्यूशन की आड़ में फायदा उठाकर सादे कागज पर बेटी का हस्ताक्षर बनवाकर रख लेना, छेड़छाड़ करना और शादी करने की फिराक में पड़ गए। बेटी की रिकॉर्डिंग और फोटो, वीडियो बनाकर ब्लैक मेल कर रहे थे। बेटी लोक लाज की वजह से कुछ नहीं बता रही थी। जब ट्यूशन पढ़ना बंद हो गया तो बेटी जब भी बाहर जाती तो उसके साथ जबरन छेड़छाड़ और गलत करने की फिराक में रहता था। 16 जून 2022 को ट्यूशन शिक्षक ने अपनी भाभी को मोबाइल देकर घर भेजा और बहलाकर फुसलाकर उसकी भाभी ने विडियो कॉल बात कराई तो शिक्षक आजाद ने गंदी गंदी बात करने लगा।जब बेटी ने विरोध जताया तो कहा कि एक सप्ताह के भीतर शादी करूँगा। अन्यथा बेटी को गोली मारकर हत्या करने व पूरे परिवार को बर्बाद करने की धमकी दिया। जब बेटी भयभीत हो गई तो बेटी ने सारी बात बताई। इस तहरीर पर छेड़खानी, जान मारने की धमकी व पाक्सो एक्ट में एफआईआर दर्ज कर पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर दिया और पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में ट्यूशन शिक्षक मोहम्मद आजाद उर्फ सोनू के विरुद्ध चार्जशीट विवेचक ने दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्को को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी टयूशन शिक्षक मोहम्मद आजाद उर्फ सोनू को 4 वर्ष की कठोर कैद एवं 22 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वही अर्थदंड की धनराशि में से 15 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की ओर ले सरकारी वकील दिनेश कुमार अग्रहरि, सत्यप्रकाश त्रिपाठी और नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

नगर पालिका ड्राइंग के हिसाब से होंगे नाला निर्माण कार्य:रूबी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रावटसगंज नगर पालिका क्षेत्र में सीएनडीएस द्वारा कराए जा रहे नाले निर्माण पर व्यापार मंडल द्वारा गुणवत्ता विहीन कार्य को लेकर नपा अध्यक्ष को अवगत कराया गया था जिस पर बुधवार को नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद अधिशासी अधिकारी विजय कुमार यादव व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेश गुप्ता के नेतृत्व में नाला निर्माण कर के गुणवत्ता चेक की गई इस दौरान संबंधित ठेकेदार को दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश। नपा अध्यक्ष रूपी प्रसाद ने बताया कि किसी प्रकार से नगर में गुणवत्ता विभिन्न कार्य बर्दाशत नहीं किए जाएंगे व्यापार मंडल के शिकायत पर तत्काल मौके पर पहुंचकर ठेकेदार को बुलाते हुए नाला निर्माण कर की जांच की गई वहीं अधिशासी अधिकारी व जेई मनीष कुमार को दिशा निर्देशित किया गया कि नगर पालिका द्वारा ड्राइंग वी मानक के अनुसार ही नाला निर्माण कार्य कराया जाएगा वहीं व्यापारियों किसी प्रकार से कोई अशुद्ध उपलब्ध न हो व पानी भराव को लेकर नाले में जगह-जगह होल पास की भी व्यवस्था कराई जाएगी जिसको लेकर संबंधित ठेकेदार को कड़े दिशा निर्देशित किए गए हैं नपा अध्यक्ष ने बताया कि बरसात के पूर्व अधिक से अधिक नाल निर्माण कराए जाने को संबंधित ठेकेदार को भी निर्देशित किया गया है बीच-बीच में निर्माण कार्य की जांच पारक के द्वारा कराकर रिपोर्ट देखी जाएगी इस मौके पर सभासद अनवर अली, ओम प्रकाश यादव धर्मराज जैन अमित दुबे सहित अन्य लोक मौजूद रहे।

बीएचईएल कम्पनी पर सीटू बैनर तले कर्मचारियों का धरना 43 वें दिन भी जारी रहा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा अन्याय, शोषण उत्पीड़न के खिलाफ के खिलाफ बीएचईएल कम्पनी पर 4 जून 2025 को 43 वें दिन भी कर्मचारियों का धरना प्रदर्शन जारी रहा है। आंदोलन के बारे में जानकारी देते हुए सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि मैसर्स- भारत हेवी इलेक्ट्रीकल्स लिमिटेड प्लॉट नंबर- 25, सेक्टर- 16, नोएडा के प्रबंधन द्वारा संस्थान में वर्षों वर्षों से लगातार स्थाई रूप से कार्यरत श्रमिकों का लगातार आर्थिक शोषण, उत्पीड़न करने संस्थान पर लागू वेतनमान श्रमिकों को भुगतान न करने और उक्त पर संगठित होकर आवाज उठाने पर 17 से 21 अप्रैल 2025 के मध्य 17 कर्मचारियों को गैर कानूनी तरीके से नौकरी से निकाल दिया जिसके खिलाफ 23 अप्रैल 2025 से कर्मचारियों ने धरना शुरू किया जो आज 03 जून 2025 को भी दिन भर जारी रहा।

थाना ओबरा पुलिस द्वारा शान्ति व्यवस्था के दृष्टिगत कुल 07 नफर अभियुक्तगण के विरूद्ध की गई निरोधात्मक कार्यवाही

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, श्री अशोक कुमार मीणा के द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी रोकथाम लगाने व वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी ओबरा के निकट पर्यवेक्षण/नेतृत्व में आज दिनांक 04.06.2025 को थाना ओबरा पुलिस द्वारा अन्तर्गत धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत निरोधात्मक कार्यवाही में कुल 07 नफर अभियुक्तगण को हिरासत पुलिस में लेकर माननीय न्यायालय भेजा गया । **गिरफ्तार अभियुक्तगण का विवरण-** 1.कुर्बान अली पुत्र फारुक रसीद निवासी चूड़ी गली थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 22 वर्ष। 2.सलमान अली पुत्र सकील अबमद निवासी चूड़ी गली थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 19 वर्ष। 3.इमरान अली पुत्र इबरार अली निवासी चूड़ी गली थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 20 वर्ष । 4.आफताब अली पुत्र असरत अली निवासी चूड़ी गली थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 19 वर्ष । 5.गुड्डू यादव पुत्र रामकुमार यादव निवासी ग्राम पनारी टोला गुडुर थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 40 वर्ष । 6.कलक्टर यादव पुत्र राम कुमार यादव निवासी ग्राम पनारी टोला गुडुर थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 24 वर्ष । 7.रविन्द्र यादव पुत्र संतोष यादव निवासी ग्राम पनारी टोला गुडुर थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 18 वर्ष। **गिरफ्तार करने वाली टीम-** 1.उ0नि0 विष्णु प्रभा सिंह थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र । 2.उ0नि0 सन्त प्रसाद मिश्रा थाना ओबरा जनपद सोनभद्र। 3.का0 यशवन्त सरोज थाना ओबरा जनपद सोनभद्र। 4.हे0का0 रविन्द्र कुमार थाना ओबरा जनपद सोनभद्र।

महापुरुषों का अपमान करने वाले राष्ट्रद्रोही: राकेश रघुवंशी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। श्री राजपूत करणी सेना ने मंगलवार को यहां महापुरुषों के अपमान के विरुद्ध पुरजोर हुंकार भरी। करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष राकेश सिंह रघुवंशी ने कहा कि महापुरुषों का अपमान करने वाले राष्ट्रद्रोही हैं। यह कृत्य देश की एकता और उसकी ताकत को कमजोर करने का प्रयास है। इसे क्षत्रिय समाज कतई बरदाश्त नहीं करेगा। जो अपने महापुरुषों का अपमान करे, राष्ट्र के गौरवशाली इतिहास को कलंकित करने का प्रयास करे, ऐसे राष्ट्रद्रोहियों के लिए देश और समाज में कोई जगह नहीं होनी चाहिए।राबर्ट्सगंज स्थित रामलीला मैदान में करणी सेना के तत्वावधान में हुए क्षत्रिय महासम्मेलन को संबोधित करते हुए राकेश सिंह रघुवंशी ने कहा कि राजपूतों के शौर्य और साहस का गौरवशाली इतिहास न सिर्फ क्षत्रिय समाज बल्कि हर देशवासी के लिए अमूल्य धरोहर है। क्षत्रपति वीर शिवाजी और महाराणा प्रताप जैसी महान विभूतियों पर समूचा देश गर्व और गौरव की अनुभूति करता है। यदि क्षत्रिय समाज का इतिहास मिटा दिया जाए तो भारत समेत आधाी पृथ्वी इतिहास शून्य हो जाएगी। उन्होंने क्षत्रिय समाज से कहा कि नई पीढ़ी के लिए दो सबसे बड़े हथियार हैं। पहला शिक्षा और दूसरा संयम। शिक्षा और संयम को अपनाकर अपने देश और समाज के गौरव की रक्षा के लिए समर्पित रहिए। विशिष्ट अतिथि एमएलसी विनीत सिंह ने कहा कि महापुरुषों के अपमान पर राष्ट्रद्रोह के तहत कार्रवाई का प्रावधान होना चाहिए। उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार से आग्रह किया कि इस दिशा में अतिशीघ्र ठोस पहल सुनिश्चित की जाए ताकि राष्ट्र की एकता को कमजोर करने वाली ताकतों को समाप्त किया जा सके। एमएलसी ने कहा कि क्षत्रिय समाज के लिए मातृभूमि सर्वोपरि है और इसकी रक्षा के लिए अनगिनत बलिदानों का उसका इतिहास पूरी दुनिया में अनूठा और अद्वितीय है। जिन्हें अपनी मातृभूमि, अपनी परंपरा, अपने इतिहास और अपने महापुरुषों पर गर्व नहीं, उन्हें भारतवासी कहलाने का कोई हक नहीं है। इससे पहले जशपुर के महाराज अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमार विक्रमादित्य सिंह जूदेव और कुंवरनी जया सिंह जी जूदेव ने बतौर मुख्यअतिथि मर्यादापुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, महाराणा प्रताप एवं करणी सेना के पूर्व अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामणि के चित्र पर माल्यार्पण कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। सम्मेलन में केवटा राजपुर के हिमांशु सिंह, इंद्रसेन सिंह, प्रवीण सिंह, मधुसूदन सिंह, सत्य प्रताप सिंह, सोनेन्द्र सिंह रघुवंशी, रामनारायण सिंह चन्देल, प्राचार्य अंजली विक्रम सिंह, रंजना सिंह, पुष्पा सिंह, डॉ गौरव सिंह, करणी सेना के मंडल अध्यक्ष मुन्ना सिंह, अभिषेक सिंह. मनीष सिंह, अंकुर कश्यप, रमेश सिंह, गजेंद्र सिंह, उपेंद्र सिंह समेत बड़ी संख्या में क्षत्रिय समाज के लोग मौजूद थे। अध्यक्षता संतोष सिंह चंदेल ने की। संचालन आनंद सिंह ने किया।

स्पोर्ट्स

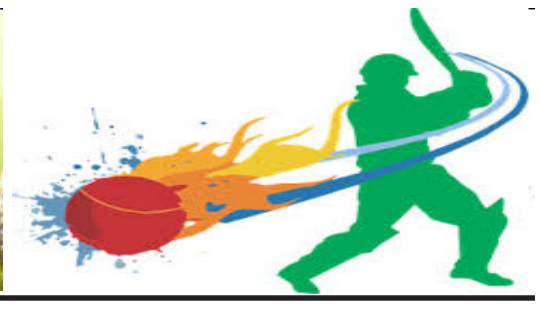

कोहली-अनुष्का...क्रुणाल-पंखुड़ी...दिनेश-दीपिका...रजत ऐश्वर्या, खिलाड़ियों ने परिवार के साथ मनाया जश्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कोहली-अनुष्का...क्रुणाल-पंखुड़ी...दिनेश-दीपिका...रजत-ऐश्वर्या, खिलाड़ियों ने परिवार के साथ मनाया जश्न जैसे ही जोश हेजलवुड ने 20वें ओवर में आरसीबी की जीत सुनिश्चित की तो कोहली की आंखें भर आई और आंसू कपालों पर आ गिरे। अपना चेहरा उन्होंने हथेली में छिपा लिया। आरसीबी के खिलाड़ी उन्हें घेरकर कूदने लगे। आखिर 18 नंबर की जर्सी का 18 साल का इंतजार खत्म हुआ।आईपीएल 2025 का खिताब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जीत लिया है। फाइनल में उसने पंजाब किंग्स को छह रन से हरा दिया। एक वक्त पसीने से सराबोर विराट कोहली थोड़े अधीर दिखते हैं। आखिर हो भी क्यों नहीं, उनका और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का पहला आईपीएल खिताब बस एक ओवर दूर था। कोहली को जीत की भनक लग चुकी थी और वह मैदान पर ही घुटने के बल बैठकर रोने लगे थे जैसे ही जोश हेजलवुड ने 20वें ओवर में आरसीबी की जीत सुनिश्चित की तो कोहली की आंखें भर आई और आंसू कपालों पर आ गिरे। अपना चेहरा उन्होंने हथेली में छिपा लिया। आरसीबी के खिलाड़ी उन्हें घेरकर कूदने लगे। आखिर 18 नंबर की जर्सी का 18 साल का इंतजार खत्म हुआ। इसके बाद क्या कोहली-अनुष्का, क्या क्रुणाल पांड्या-पंखुड़ी (उनकी पत्नी), क्या दिनेश कार्तिक-दीपिका पल्लीकल और क्या रजत पाटीदार-ऐश्वर्या...सभी ने मैदान पर आकर जश्न मनाया। जितेश की पत्नी शलाका और मयंक भी पत्नी आशिता भी उनके साथ मैदान में मौजूद रहे। खिलाड़ियों ने परिवार को मैदान पर बुलाया और मैदान पर ही जश्न मनाया। कोहली तो अनुष्का को गले लगाकर रो पड़े।

वहीं, कार्तिक ने पत्नी पल्लिकल को गले लगाया और वह भी भावुक दिखे। क्रुणाल ने तो स्टेज पर बैठकर पत्नी पंखुड़ी के साथ तस्वीरें खिंचवाई। वहीं, आरसीबी को अपने पहले साल की ही कप्तानी में चैंपियन बनाने वाले रजत पत्नी ऐश्वर्या से मिलकर भावुक हो गए। इसकी तस्वीरें भी सामने आईं हैं। एक महान खिलाड़ी और उस पर अटूट भरोसा करने वाली एक टीम के लिए यह सबसे भावनात्मक पल था। पिछले 18 साल की नाकामियां और निराशा इस पल में पीछे छूट गई। एकमात्र खिताब जो इस पीढ़ी के महानतम क्रिकेटर की झोली में अभी तक नहीं गिरा था, आखिरकार उसे मिला। कोहली और आरसीबी का सफर तभी शुरू हुआ जब आईपीएल ने क्रिकेट की दुनिया में पहला कदम रखा था। अठारह साल पहले बेचैन और युवा कोहली पश्चिम दिल्ली का वह गोल मटोल सा लड़का था जो जीत का जुनून लेकर उतरा था। उस समय आरसीबी के ड्रेसिंग रूम में राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले और जाक कैलिस हुआ करते थे। आरसीबी ने कोहली पर भरोसा किया और उसके पूर्व मालिक विजय माल्या ने कोहली को अपने अंदाज में खेलने की छूट दी। फिर 2011 में कोहली बेंगलुरु के क्रिकेटप्रेमियों से उनका दिल का रिश्ता गहरा होता गया। यह कोहली का करिश्मा ही था कि बेंगलुरु का हर क्रिकेटप्रेमी आरसीबी का वफादार प्रशंसक बन गया। महेंद्र सिंह धोनी जब चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान बने तब विश्व कप विजेता भारत के कप्तान बन चुके थे लेकिन कोहली और आरसीबी का रिश्ता धीरे धीरे गहरा होता गया। चेन्नई ने पांच बार आईपीएल जीता और रोहित शर्मा की मुंबई इंडियंस ने भी। आरसीबी के कप्तान बने। 22 साल की उम्र में इतनी बड़ी जिम्मेदारी और इतना दबाव से भरा माहौल भी उन्हें विचलित नहीं कर सका। 12 साल और 143 मैचों तक कमान संभालने वाले कोहली डटे रहे। सनराइजर्स हैदराबाद और डेक्कन चार्जर्स ने भी खिताब जीते। कोहली ने लेकिन कभी आरसीबी से नाता तोड़ने की नहीं सोची। दर्शकों का प्यार उनकी प्रेरणा रहा और जुनून भी। एक सपना हमेशा उनकी आंखों में पलता रहा, आरसीबी के लिये आईपीएल जीतने का। इस दशक के क्रिकेट के सबसे बड़े 'शो मैन' को आखिरकार आईपीएल का ताज मिला। क्रिकेट के अनगिनत रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके कोहली के साथ ही दुनिया भर के आरसीबी प्रशंसक इस पल को शायद ही कभी भुला सकेंगे। इस मौके पर आरसीबी के पूर्व खिलाड़ी क्रिस गेल और एबी डिविलियर्स भी मौजूद रहे। आईपीएल 2025 का खिताब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जीत लिया है। 18 सत्र का इंतजार खत्म हो चुका है। आखिरकार विराट कोहली भी चैंपियन बन गए हैं। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में आरसीबी ने पंजाब को छह रन से हरा दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 190 रन बनाए थे जवाब में पंजाब की टीम सात विकेट पर 184 रन ही बना सकी। आरसीबी आईपीएल चैंपियन बनने वाली आठवीं टीम है। इससे पहले राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, डेक्कन चार्जर्स, मुंबई इंडियंस, गुजरात टाइटंस, कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद की टीम चैंपियन बन चुकी हैं।

आईपीएल के समापन समारोह में सेना के शौर्य को किया गया सलाम, शंकर महादेवन ने बांधा समां

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कार्यक्रम में मशहूर गायक शंकर महादेवन ने प्रस्तुति दी और देशभक्ति के गानों से समां बांध दिया। समापन समारोह के दौरान आईसीसी अध्यक्ष जय शाह और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष रोजर बिन्नी और अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। आईपीएल 2025 का समापन समारोह अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आयोजित किया गया। इस दौरान ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाया गया और दर्शकों ने तिरंगा लहराकर सेना के शौर्य को सलाम किया। कार्यक्रम में मशहूर गायक शंकर महादेवन ने प्रस्तुति दी और देशभक्ति के गानों से समां बांध दिया। समापन समारोह के दौरान आईसीसी अध्यक्ष जय शाह और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष रोजर बिन्नी और अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। आईपीएल का समापन समारोह सशस्त्र बलों को समर्पित था। बीसीसीआई ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने का फैसला किया था और समापन समारोह के लिए सीडीएस सहित तीनों सेनाओं के प्रमुखों को न्योता दिया था। हालांकि, स्टेडियम में सीडीएस या तीनों सेनाओं के प्रमुख नहीं आए। समापन समारोह के दौरान सिर्फ देशभक्ति के गानें बजाए गए और शंकर महादेवन ने भी इन्हीं गानों पर प्रस्तुति दी। आईपीएल समापन समारोह की शुरुआत 'केसरी रंग' गाने के साथ हुई। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 'जय हो' गाने की धुन पर दर्शक झूम उठे। समापन समारोह के दौरान मशहूर गायक शंकर महादेवन प्रस्तुति दी। उन्होंने अपनी प्रस्तुति की शुरुआत ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए की। इस दौरान शंकर महादेवन के साथ उनके बेटे शिवम और सिद्धार्थ भी मंच पर मौजूद रहे। शंकर महादेवन ने 'ऐ वतन' और 'कंधों से मिलते हैं कदम' जैसे देशभक्ति गाने गाकर स्टेडियम का माहौल जोश में भर दिया। दर्शक तिरंगा लहराते रहे और सशस्त्र बलों के शौर्य को सराहा। मंच के सामने कलाकारों ने भी अपने नृत्य से समां बांधा। अंत में स्टेडियम में 'भारत माता की जय' के जयकारों से स्टेडियम गूंज उठा। दर्शकदीर्घा पर मौजूद दर्शकों ने

भी पूरे जोश के साथ भारतीय सेना के शौर्य को सलाम किया।भारत ने सात मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकियों के ठिकानों पर सटीक हमले किए। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में की गई थी। इसके बाद पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमले की कोशिश की, जिनका भारतीय सेना ने करारा जवाब दिया। इस जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के कई सैन्य ठिकानों को नुकसान पहुंचा, जिनमें एयर बेस, रडार साइट्स, और कमांड सेंटर शामिल हैं। इससे घबराए पाकिस्तान ने 10 मई को भारत के सामने सीजफायर का प्रस्ताव रखा, जिसे दोनों देशों ने आपसी चर्चा के बाद लागू कर लिया।

ट्रैफिक जाम के कारण इंग्लैंड-विंडीज के बीच मैच में हुआ विलंब, साइकिल से पहुंचे इंग्लैंड के खिलाड़ी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाड़ी मैच से पहले वार्मअप के लिए समय पर पहुंच गए, लेकिन वेस्टइंडीज के खिलाड़ी बस में ही रहे और टॉस के निर्धारित समय से 10 मिनट बाद पहुंचे।

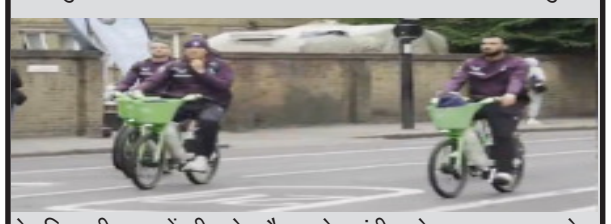

के खिलाड़ी बस में ही रहे और टॉस के निर्धारित समय से 10 मिनट बाद पहुंचे। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच लंदन में खेला जा रहा तीसरा वनडे मुकाबला बारिश नहीं, बल्कि ट्रैफिक जाम के कारण देरी से शुरू हुआ। लंदन में ट्रैफिक जाम में इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के खिलाड़ी भी फंस गए और समय से स्टेडियम में पहुंच सके। दिलचस्प बात यह है कि इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने टीम बस से उतरकर साइकिल से स्टेडियम पहुंचने का फैसला लिया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इंग्लैंड के खिलाड़ी मैच से पहले वार्मअप वेस्टइंडीज के कप्तान शाइ होप ने हंसते हुए कहा, 'हमें पैदल चलकर आना चाहिए था।' ब्रिटेन की पीए समाचार एजेंसी के अनुसार वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों का होटल ओवल से पांच किलोमीटर दूर था। टॉस 40 मिनट विलंब से हुआ। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया।बारिश के कारण इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच रुका हुआ है। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने 15 ओवर तक तीन विकेट पर 83 रन बना लिए हैं। मैच रुकने तक शेरफाने रदरफोर्ड 33 और कियासी कार्टी 24 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे।

सुपर स्ट्राइकर वैभव सूर्यवंशी को मिली टाटा कर्व कार, लेकिन नहीं चला पाएंगे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। आईपीएल के अपने पहले सीजन में वैभव ने कुल सात मैच खेले। इनमें उन्होंने 206.55 के स्ट्राइक रेट से 252 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने एक शतक और

एक ही अर्धशतक ठोका। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन के अवॉर्ड से नवाजा गया। इसके अलावा उन्हें टाटा कर्व कार दी गई। दिलचस्प बात यह है कि वैभव इस कार को चला नहीं पाएंगे।राजस्थान रॉयल्स के युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन अवॉर्ड से नवाजा गया है। इस अवॉर्ड के साथ उन्हें टाटा कर्व कार इनाम के तौर पर मिली है। बिहार के लाल ने इस सत्र में कमाल का प्रदर्शन किया जिसका अब उन्हें फल मिला है।वैभव सूर्यवंशी का पहला सत्र शानदार रहा। राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए उन्होंने कई तूफानी पारियां खेलीं। बाएं हाथ के बल्लेबाज वैभव ने 28 अप्रैल को गुजरात टाइटंस के खिलाफ 38 गेंदों में 101 रन की पारी खेली थी। इस दौरान उन्होंने 11 छक्के और सात चौके लगाए थे। वह आईपीएल में शतक लगाने वाले सबसे युवा भारतीय बल्लेबाज बने थे। साथ ही वह आईपीएल में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बने थे। उन्होंने यूसुफ पठान का रिकॉर्ड तोड़ा था। आईपीएल के अपने पहले सीजन में वैभव ने कुल सात मैच खेले। इनमें उन्होंने 206.55 के स्ट्राइक रेट से 252 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने एक शतक और एक ही अर्धशतक ठोका। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन के अवॉर्ड से नवाजा गया। इसके अलावा उन्हें टाटा कर्व कार दी गई। दिलचस्प बात यह है कि वैभव इस कार को चला नहीं पाएंगे। इसका सबसे बड़ा कारण उनकी उम्र है। दरअसल, अभी वह सिर्फ 14 साल के हैं और उनका ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं बना है वैभव ने अपनी आईपीएल करियर की पहली गेंद पर शार्दुल ठाकुर का सामना किया था और पहली गेंद पर छक्का लगाकर बता दिया कि उनमें कितनी प्रतिभा है। पहले ही आईपीएल मैच में 20 गेंदों में 34 रन की पारी वैभव की प्रतिभा की बानगी पेश की। उन्होंने इस सीजन सात मैचों में 206.55 के स्ट्राइक रेट से 252 रन बनाए। इसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। उनका स्ट्राइक इस सीजन सात या उससे ज्यादा मैच खेलने वालों में दूसरा सर्वश्रेष्ठ रहा।

पैरों से बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग; विवेक कुमार अटल ने हाथों के बगैर ही मैदान में किया कमाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। विवेक कुमार अटल की असली पहचान क्रिकेट के मैदान में सामने आती है, जहां वे पैरों से बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग करते हैं। उनकी तकनीक, संतुलन और जज्बा हर किसी को दंग कर देता हैराजधानी जयपुर के शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत गोविंदपुरा बासड़ी से एक ऐसा नाम सामने आया है, जिसने यह साबित कर दिया कि हौसले अगर बुलंद हों तो कोई भी कमी मंजिल की राह में बाधा नहीं बन सकती। विवेक कुमार अटल एक ऐसा दिव्यांग युवक, जिसने दोनों हाथों के अभाव में भी हार नहीं मानी, बल्कि अपने पैरों को ही अपने सपनों का जरिया बना लिया।विवेक ने न सिर्फ सामान्य स्कूलिंग की, बल्कि अपने पैरों से लिखकर 10वीं कक्षा में 74.33ज़् अंक हासिल किए। यह आंकड़ा उनके आत्मबल, अनुशासन और कठिन परिश्रम का गवाह है। लेकिन विवेक की असली पहचान क्रिकेट के मैदान में सामने आती है, जहां

वे पैरों से बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग करते हैं। उन्हें खेलते देखना सिर्फ हैरत की बात नहीं, बल्कि भावनाओं को झकझोर देने वाला अनुभव है। उनकी तकनीक, संतुलन और जज्बा हर किसी को दंग कर देता है।भाजपा नेता उपेन यादव ने विवेक के अद्भुत प्रदर्शन को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री और खेल मंत्री से अपील की है कि विवेक जैसे प्रतिभाशाली दिव्यांग खिलाड़ी को भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद (अण्ण्घ्) के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर खेलने का मौका दिया जाए। उन्होंने कहा कि विवेक जैसे खिलाड़ियों को मंच और अवसर देना जरूरी है ताकि वे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें और देश का नाम रोशन कर सकें। विवेक का वीडियो जब सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, तो भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद (अण्ण्घ्) ने भी इस पर संज्ञान लेते हुए सोशल मीडिया के माध्यम से प्रतिक्रिया दी।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं	आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे	किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।	आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।
आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।	नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।	आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।	आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।	आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।	मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

सिंधू और सात्विक-चिराग की जोड़ी दूसरे दौर में, सेन और प्रणय इंडोनेशिया ओपन से बाहर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। लक्ष्य सेन ने एक घंटे और पांच मिनट तक चले पुरुष एकल मुकाबले में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी चीन के शि यू क्यू से 11-21 22-20 15-21 से हारने से पहले कड़ी चुनौती पेश की। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ने मंगलवार को यहां इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के प्रीक्वार्टर फाइनल में जगह बनाई लेकिन लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय पहले दौर में हारकर बाहर हो गए। सिंधू ने महिला एकल में अपनी चिर प्रतिद्वंद्वी जापान की नोजोमी ओकुहारा को एक घंटे 19 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 22-20, 21-23, 21-15 से हराया। अब राउंड 16 में उनका सामना थाईलैंड की छठी वरीयता प्राप्त पोर्णपावी चोचुवोंग से होगा।सिंधू ने मैच के बाद कहा, 'पहले दौर में जीत हासिल करना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे निश्चित तौर पर मेरा हौसला बढ़ेगा। मैं पहले दौर में हारती रही हूं, इसलिए इस तरह के मैच जीतना मेरे लिए बहुत उपयोगी और महत्वपूर्ण है।' सेन ने एक घंटे और पांच मिनट तक चले पुरुष एकल मुकाबले में दुनिया

के नंबर दो खिलाड़ी चीन के शि यू क्यू से 11-21 22-20 15-21 से हारने से पहले कड़ी चुनौती पेश की। भारत के इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने पीठ की चोट से उबरकर वापसी की। चोट के कारण वह पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन में मैच के बीच से हट गए थे लेकिन यहां उन्होंने टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया।पहला गेम आसानी से गंवाने और दूसरे गेम में 11-17 से पीछे होने के बाद सेन ने जोरदार वापसी की। उन्होंने एक मैच प्वाइंट बचाया और 22-20 से गेम जीतकर मुकाबला निर्णायक गेम तक खींच दिया। लेकिन इसके बाद वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए। पुरुष एकल में एचएस प्रणय भी इस 1,450,000 डॉलर इनामी टूर्नामेंट से बाहर हो गए। उन्हें इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से 17-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़फिर सात्विक और चिराग की पुरुष युगल जोड़ी ने इंडोनेशिया के लियो रॉली कार्नांडो और बागास मौलाना को 67 मिनट तक चले पहले दौर के मुकाबले में 18-21 21-18 21-14 से हराकर राउंड 16 में जगह बनाई। सिंधू और ओकुहारा के बीच गलतियों से भरा मैच रोमांचक रहा, जिसमें काफी गेम प्वाइंट और मैच प्वाइंट मिले। सिंधू ने पहला गेम 22-20 से जीता। भारतीय खिलाड़ी ने इस दौरान एक गेम प्वाइंट बचाया और महत्वपूर्ण क्षणों में आक्रामक शॉट लगाए।दूसरे गेम में सिंधू ने शुरुआत में दो अंकों की मामूली बढ़त हासिल की, लेकिन इंटरवल तक वह 7-11 से पीछे थीं। उन्होंने वापसी की और जोरदार क्रॉस-कोर्ट स्मैश के साथ दो मैच प्वाइंट हासिल किए, लेकिन सिंधू ने लगातार गलतियां की जिसका फायदा उठाकर ओकुहारा 20-20 से बराबरी पर आ गईं। जापानी खिलाड़ी ने आखिरकार दूसरा गेम 23-21 से जीत लिया। निर्णायक गेम में ब्रेक तक सिंधू 11-9 से आगे थीं और फिर उन्होंने लगातार विनर्स लगाते हुए आठ मैच प्वाइंट हासिल किए और पांचवें मैच प्वाइंट को भुनाकर अगले दौर में प्रवेश कियासिंधू महिला एकल के अगले दौर में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी रही।

सम्पादकीय

सांस्कृतिक संदेश देने वाली सैन्य कार्रवाई, ऑपरेशन सिंदूर शांति के उल्लंघन के विरुद्ध एक सांस्कृतिक प्रतिक्रिया

ऑपरेशन सिंदूर केवल आतंक के विरुद्ध भारत की एक प्रतिक्रिया भर नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना की पुनः उद्घोषणा है। यह एक ऐसा क्षण है, जिसमें धर्म के मार्ग पर चलकर राष्ट्र की अस्मिता और सम्मान की रक्षा सुनिश्चित हुई है। हाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी राष्ट्र को संबोधित करते हुए ऑपरेशन सिंदूर को भारत की रणनीतिक और सांस्कृतिक प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं, अपितु भारत की सुरक्षा नीति, नैतिक दृढ़ता और सांस्कृतिक चेतना का एक सशक्त प्रदर्शन था। उनका यह संदेश स्पष्ट है कि अब भारत न तो पुरानी नीतियों से बंधा रहेगा, न ही आतंक को सहन करेगा। यह भारत की विदेश और रक्षा नीति में बुद्ध से प्रेरित, दृढ़ निश्चय से संचालित और पूरी सटीकता के साथ लागू किया गया एक नया अध्याय है। 'सिंदूर' शब्द भारत की सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। यह मातृत्व, समर्पण और जीवन-दायिनी शक्ति का प्रतीक है। इस ऑपरेशन को यह नाम देना एवं सुरक्षा बल के दो मातृशक्तियों की प्रेसवार्ता में उपस्थिति यह स्पष्ट संदेश था कि भारत का सम्मान और अस्मिता सर्वोपरि है। ऑपरेशन के दौरान भारत ने सिर्फ आतंकी ठिकानों और सैन्य संसाधनों को ही निशाना बनाया, आमजन को हानि नहीं पहुंचाई। यह गीता की उस शिक्षा का पालन था जिसमें कहा गया है कि युद्ध तभी उचित है जब धर्म संकट में हो, और तब भी केवल अधर्मी के विरुद्ध हो, निर्दोष के नहीं। भारत ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि उसकी सैन्य शक्ति प्रतिशोध से नहीं, अपितु विवेक और नैतिकता से संचालित होती है। भारत न युद्ध में विश्वास करता है, न कायरता में, बल्कि बुद्ध के बताए शांति और धर्म के मार्ग में इसकी आस्था है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने एक ऐसा सुरक्षा ढांचा विकसित कर लिया है, जो त्वरित, संतुलित एवं विध्वंसात्मक प्रतिक्रिया दे सकता है। यह एक मानसिक और सामरिक बदलाव का संकेत है। अब हमारी नीति यह है-ङ्कदेश के दुश्मनों के प्रति शून्य सहिष्णुता और त्वरित प्रतिक्रिया।ङ्क भारत अब सिर्फ घटनाओं की प्रतीक्षा नहीं करता, वह सक्रियता से आगे बढ़ता है। यह नीति अब भारत के वैश्विक संबंधों को भी आकार दे रही है। जो राष्ट्र स्पष्ट सोच, नैतिक नेतृत्व और संतुलित शक्ति के उदाहरण खोज रहे हैं, उनके लिए भारत अब एक आदर्श बन रहा है। भारत का यह दृष्टिकोण न तो विस्तारवादी है, न ही झुकने वाला-यह एक आत्मविश्वासी, सांस्कृतिक और सैद्धांतिक शक्ति का उद्घोष है। आतंकवाद के विरुद्ध भारत की यह कार्रवाई सिर्फ भू-राजनीतिक नहीं थी, वरन उसके गहरे दार्शनिक और आध्यात्मिक सिद्धांतों से जुड़ी थी। भारतीय संस्कृति संघर्ष को धर्म के संदर्भ में देखती है, न कि क्रोध या हिंसा के। गीता का प्रसिद्ध श्लोक है-ङ्कयदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत...।ङ्क अर्थात श्रीकृष्ण कहते हैं कि जब-जब धर्म की हानि और अधर्म की वृद्धि होती है, तब-तब मैं प्रकट होता हूं।ङ्क यह दर्शाता है कि कब किसी संस्कृति को अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए खड़ा होना चाहिए है। इसी तरह गुरु गोबिंद सिंह जी ने कहा था कि ङ्कजब सभी उपाय समाप्त हो जाएं, तब तलवार उठाना उचित है।ङ्क यह भारत की नैतिक चेतना में गहराई से पिरोया हुआ है। यह युद्ध के लिए उकसावा नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध नैतिक आधार है। इस दृष्टि से ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्यकदम नहीं, बल्कि शांति के उल्लंघन के विरुद्ध एक सांस्कृतिक प्रतिक्रिया है। ऑपरेशन सिंदूर भारत के विकासशील राष्ट्रीय सिद्धांत की एक प्रमुख घटना है। यह भारत के उस स्वरूप को दर्शाता है जहां ताकत और धर्म का सामंजस्य है। इस दौरान 140 करोड़ भारतीयों ने क्षेत्र, धर्म, जाति, वर्ग की सीमाओं को पार करते हुए इस बात पर सहमति जताई कि आतंक के विरुद्ध भारत एकजुट है। आज गांवों से लेकर शहरों तक, विद्यार्थियों से लेकर सैनिकों तक, एक नया आत्मविश्वास जाग उठा है। न अंधराष्ट्रवाद में डूबा, न डर में सहमा, अपितु आत्मगौरव से भरा हुआ भारत सबके सामने खड़ा है। यह एक ऐसी सभ्यता का प्रतीक है, जो अब अपने भविष्य को स्वयं गढ़ने को तैयार है। जहां दुनिया आज सिर्फ लेन-देन और स्वार्थ की राजनीति में उलझी है, वहीं भारत एक ऐसा राष्ट्र बनकर उभर रहा है, जो जीवन-मूल्यों, सामर्थ, साहस और परंपरा पर खड़ा है। भारत अब केवल जवाब नहीं देता, बल्कि वह पहले से खतरे को पहचानता है, गरिमा से उसका सामना करता है और वैश्विक संवाद के नियमों को पुनः परिभाषित कर रहा है। इसका संदेश बिल्कुल स्पष्ट है-भारत अब परमाणु युद्ध की धमकियों या अंतरराष्ट्रीय दबाव के आगे झुकने वाला नहीं है। कुल मिलाकर ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सुरक्षा अभियान नहीं, बल्कि भारत की सनातन चेतना की पुनर्व्याख्या है।

हरित भारत के प्रति समर्पित रेलवे, आर्थिक विकास और पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता

हर बार आप जब परिवहन के अन्य साधनों के बजाय रेलगाड़ी से यात्रा करने का चुनाव करते हैं, तो केवल आराम या सुविधा ही नहीं चुन रहे होते। आप एक स्वच्छ एवं हरित भारत को भी चुन रहे होते हैं। पिछले वर्ष 700 करोड़ से अधिक लोगों ने यात्रा के साधन के रूप में भारतीय रेल को चुना। रेल हमारी जीवन रेखा है और भविष्य के लिए एक हरित वादा भी विश्व पर्यावरण दिवस पर भारतीय रेलवे सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है। रेलवे देश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए पंचामृत लक्ष्यों-2070 तक शून्य उत्सर्जन को साकार करने में सहायता कर रहा है और एक बहुआयामी दृष्टिकोण के माध्यम से इसे संभव बना रहा है। यातायात को सड़क से रेल की ओर स्थानांतरित करके और स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा स्रोतों के साथ परिचालन को शक्ति प्रदान करके इस दिशा में बढ़ रहा है। ये कदम देश को बड़े पैमाने पर अर्थव्यवस्था को विकार्बनित (डीकार्बोनाइज) करने में सहायता प्रदान कर रहे हैं। यात्रा सेवाओं के साथ ही माल ढुलाई में भी रेलवे की महत्ता समय के साथ बढ़ती जा रही है। 2013-14 में भारतीय रेल ने लगभग 105.5 करोड़ टन माल की ढुलाई की। 2024-25 के दौरान यह ढुलाई बढ़कर 161.7 करोड़ टन हो गई है। इससे भारतीय रेलवे दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा माल ढोने वाला रेलवे बन गया है। विशेषज्ञों द्वारा की गई गणनाओं का उपयोग करते हुए सड़क के बजाय रेल के जरिये माल ढुलाई से संबंधित इस बदलाव ने 14.3 करोड़ टन से अधिक कार्बन डाईआक्साइड के उत्सर्जन को रोकने में मदद की है। यह 121 करोड़ पेड़ लगाने जैसा है। रेल द्वारा माल परिवहन की लागत सड़क मार्ग से होने वाले परिवहन की लागत की लगभग आधी है। इसका अर्थ है कि न केवल व्यवसायों, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी बचत। इस बदलाव से पिछले दशक में लाजिस्टिक्स की लागत में 3.2 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई है। भारतीय रेल स्वच्छ भी है और कम कार्बन डाईआक्साइड का उत्सर्जन होता है। परिणामस्वरूप हमारे आसमान में कम धुआं निकलता है और हमें स्वच्छ हवा मिलती है। सड़क से रेल की ओर होने वाले इस बदलाव ने हमें 2,857 करोड़ लीटर डीजल की बचत कराई है, जो ईंधन लागत में लगभग दो लाख करोड़ रुपये की बचत के बराबर है। चूंकि भारत तेल आयात करता है, इसलिए परिवहन क्षेत्र रूप से एक समझदारी भरा कदम है, ताकि आयात पर निर्भरता कम हो। 2014 से पहले के 60 वर्षों में भारतीय रेल ने 21,000 किलोमीटर रेल मार्ग का विद्युतीकरण किया। जबकि पिछले 11 वर्षों के दौरान हमने 47,000 किमी रेल मार्ग का विद्युतीकरण किया है। आज हमारे ब्राड गेज नेटवर्क का 99 प्रतिशत हिस्सा विद्युतीकृत है। भारतीय रेल स्टेशनों, कारखानों और का उपयोग तेजी से कर रहा है। अब यह रेलगाड़ियों के परिचालन के लिए अधिक हरित ऊर्जा प्राप्त करने हेतु राज्यों के साथ मिलकर काम कर रहा है। यह सब भारत को शुद्ध शून्य उत्सर्जन के अपने लक्ष्य को हासिल करने में सहायता देगा। इस गति को आगे बढ़ाते हुए डेडिकेटेड फ्रेट कारिडोर (डीएफसी) को विद्युतीकृत किया गया है। उच्च क्षमता वाली रेलवे लाइनें भी हैं, के लिए डिजाइन किया गया है। कुल 2,741 किमी परिचालन के साथ डीएफसी ने सड़कों पर भीड़भाड़ कम की है और डीजल की खपत एवं कार्बन उत्सर्जन को भी घटाया है। भारत हाइड्रोजन संचालित ट्रेन जैसी आधुनिक, शून्य-उत्सर्जन तकनीक भी अपना रहा है। पहली ट्रेन हरियाणा के जींद और सोनीपत के बीच चलेगी और 2,600 यात्रियों को ले जाएगी। यह दुनिया की सबसे शक्तिशाली और सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेन होगी। भारत यह साबित कर रहा है कि आर्थिक विकास और पर्यावरण को लेकर प्रतिबद्धता की जिम्मेदारी एक साथ निभाई जा सकती है और ऐसा होना भी चाहिए। विश्व बैंक के लाजिस्टिक्स परफारमेंस इंडेक्स 2023 के अनुसार भारत अब 139 देशों में 38वें स्थान पर है, जो 2014 की तुलना में 16 स्थान ऊपर है। रेलवे विद्युतीकरण के विस्तार ने लागत और उत्सर्जन को कम किया है। इसने गति और क्षमता भी बढ़ाई है, जिससे भारत को विश्वस्तरीय लाजिस्टिक्स मानकों के निकट पहुंचने में मदद मिली है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय रेलवे के लिए शुद्ध शून्य उत्सर्जन हासिल करने के लिए 2030 का लक्ष्य तय किया है।तेजी से हो रहे विद्युतीकरण और बड़े पैमाने पर माल को सड़क से रेल की ओर स्थानांतरित करने के कारण भारतीय रेलवे 2025 तक ही नेट जीरो (स्कोप 1) हासिल करने की ओर अग्रसर है। चूंकि भारतीय रेलवे सतत विकास के साथ पर्यावरण का भी ध्यान रख रहा है, इसलिए हर विद्युतीकृत ट्रैक, हर सौर पैनल और सड़क से हटा प्रत्येक मालवाहक कंटेनर हमारे लोगों और हमारी धरती के उज्जवल भविष्य के प्रति एक शपथ है।

ट्रकों की तुलना में इससे 90 प्रतिशत का विद्युतीकरण करना रणनीतिक कार्यशालाओं के लिए हरित ऊर्जा जिन्हें विशेष रूप से माल परिवहन

भारत की भलाई की जानबूझकर अनदेखी, देश हित पर भारी पड़ रहे दलगत स्वार्थ

आखिरकार शशि थरूर के बाद कांग्रेस के कुछ नेताओं ने पाकिस्तान के आतंकी चेहरे को बेनकाब करने और आपरेशन सिंदूर का औचित्य बताने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल अपने एक और नेता सलमान खुर्शीद पर भी हमला बोल दिया। जैसे थरूर ने ऐसे नेताओं का नाम न लेते हुए उन्हें जवाब दिया, वैसे ही खुर्शीद ने भी। इसी के साथ उन्होंने अपनी पीड़ा बयान करते हुए यह प्रश्न भी किया कि क्या देशभक्त होना इतना कठिन है? यह केवल एक प्रश्न नहीं, पीड़ा भी है। इस पीड़ा का अनुभव कांग्रेसजन भी कर रहे होंगे, लेकिन वे कुछ कह नहीं सकते, क्योंकि उन्हें भी पता है कि थरूर और खुर्शीद पर हमले पार्टी नेतृत्व के करीबी कर रहे हैं। थरूर और गांधी परिवार के रिश्ते शायद तबसे ठीक नहीं चल रहे, जबसे उन्होंने मल्लिकार्जुन खरगे के विरुद्ध अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ा। राहुल गांधी के अति विश्वासपात्र जयराम रमेश ने उन पर कटाक्ष करते हुए कहा था, 'कांग्रेस में होने और कांग्रेस का होने में' फर्क होता है। लोकसभा चुनाव का टिकट न मिलने पर पाला बदलने और अब खुद को कांग्रेस का सिपाही कहने वाले उदितराज की समझ से थरूर भाजपा के सुपर प्रवक्ता बन गए हैं। अतीत में नरेन्द्र मोदी और शशि थरूर एक-दूसरे की आलोचना कर चुके हैं। बाद में कुछ मौकों पर दोनों ने एक-दूसरे की प्रशंसा भी की। थरूर ने आपरेशन सिंदूर को भारत की उचित प्रतिक्रिया बताते हुए ट्रंप पर भी निशाना साधा। थरूर के विपरीत सलमान खुर्शीद गांधी परिवार के करीबी माने जाते हैं। वह पहले भी भाजपा के आलोचक रहे हैं और अब भी हैं। उन्होंने कहा भी, 'क्या यहां मैं सरकार का विरोध करने आया हूं? यदि ऐसा करना होगा तो भारत जाकर करूंगा। यहां तो मैं भारत के पक्ष में बोलने आया हूं।' यह वही खुर्शीद हैं, जिन्होंने अपनी किताब में लिखा था कि हिंदुत्व इस्लामिक स्टेट और बोको हराम जैसा है। तब उनकी आलोचना इसी स्तंभ में की गई थी। खुर्शीद पर इसलिए निशाना साधा गया, क्योंकि इंडोनेशिया में उन्होंने जम्मू-कश्मीर से अनु. 370 हटाने को सही बताया। ध्यान दें कि इस अनुच्छेद को हटाने के फैसले का समर्थन करने वाले कांग्रेस के कई नेता पार्टी छोड़ चुके हैं। यह राहुल गांधी और उनके करीबी ही बता सकते हैं कि थरूर के साथ खुर्शीद को निशाने पर लेने से कांग्रेस या फिर देश के कौन से हित सध रहे हैं, क्योंकि आम लोगों के लिए इसे समझना कठिन है। क्या कांग्रेस नेतृत्व यह बुनियादी बात भी नहीं समझता कि मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार और भारत में अंतर है? आम तौर पर अपने ही नेता की आलोचना गुटबाजी, उसके बढ़ते कद या फिर नेतृत्व की उससे नाराजगी के चलते की जाती है। सलमान खुर्शीद कांग्रेस के ऐसे नेता नहीं हैं, लेकिन उन्हें भी नहीं बख्शा गया। अपने देश में दूसरे दलों और उनके नेताओं पर सही-गलत आरोप लगाने में कोई समस्या नहीं होती, लेकिन इसका भी एक समय होता है। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल भाजपा सांसद निशिकांत दुबे विश्व में भारत की बात कहने से ज्यादा जोर एक्स पोस्ट के जरिये कांग्रेस पर हमला करने में दे रहे हैं। हैरानी है कि सरकार और भाजपा की ओर से कोई उनसे यह क्यों नहीं कह रहा कि दुबे जी, जरा थम जाएं, देश लौटकर कांग्रेस का कच्चा-चिट्ठा खोलिएगा और अभी उस पर ध्यान दें, जिसके लिए विदेश गए हैं। हर राजनीतिक दल और नेता के अपने-अपने राजनीतिक हित होते हैं और वे अपने वोट बैंक की अतिरिक्त चिंता करते हैं। इसमें हर्ज नहीं, लेकिन कभी-कभी ऐसे अवसर आते हैं, जब देश हित को ही सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। इसका परिचय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में शामिल कई विपक्षी नेता शानदार तरीके से दे रहे हैं। स्पेन गए हमारे नेता वहां जब भारतीय समुदाय से मिले तो किसी ने प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहीं कनीमोरी से पूछा-भारत की राष्ट्रीय भाषा क्या है? उनका जवाब था-एकता में अनेकता हमारी राष्ट्रीय भाषा है। प्रश्न पूछने वाले की बोलती बंद हो गई और शेष लोगों ने करतल ध्वनि की। इस पर विशेष रूप से गौर करें कि कनीमोरी उस डीएमके की सांसद हैं, जो यह थोथा प्रचार कर रही है कि मोदी सरकार तमिल भाषा पर हिंदी थोप रही है। बहरीन में असदुद्दीन ओवैसी ने पाकिस्तान को खूब धोया और पाकिस्तानियों को उनकी बात अच्छे से समझ आ जाए, इसलिए कुछ शब्द उर्दू में भी बोले। विपक्ष में मोदी सरकार का उनसे बड़ा कट्टर आलोचक शायद ही कोई हो, लेकिन वह पाकिस्तान को जैसी खरी-खोटी सुना रहे हैं, उससे उनके समर्थक भी हैरान हो सकते हैं। उन्होंने साफ कहा था कि पहलगाम में लोगों को उनका मजहब पूछकर मारा गया। कई तथाकथित सेक्युलर नेता ऐसा कहने-मानने में लजा गए थे। एक कांग्रेस नेता ने तो कहा था कि भला आतंकियों के पास इतनी फुर्सत कहां थी कि वे लोगों को मारने से पहले उनका मजहब पूछते। निःसंदेह पहलगाम में पर्यटकों की सुरक्षा में कमी-अनदेखी पर सवाल पूछे ही जाने चाहिए, लेकिन इस अंदाज में नहीं कि वे पाकिस्तान के टीवी चैनलों पर चलने लगें और वहां की सेना और सरकार को इन सवालों के सहारे यह शोशा छोड़ने में आसानी होने लगे कि पहलगाम में आतंकी हमला तो भारत ने खुद कराया था।

मिसाल बनेंगी रक्षा क्षेत्र की निजी कंपनियां, देश के रक्षा उत्पादन उद्योग को मिलेगा बूस्ट

वायुसेना प्रमुख एपी सिंह ने हाल में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा रक्षा सामग्री की आपूर्ति में देरी का मुद्दा उठाया। ऐसे स्वर पहले भी उठते रहे हैं। इस सबके बीच कुछ दिनों पहले 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि आपरेशन सिंदूर की सफलता स्वदेशी हथियारों की क्षमता एवं मेक इन इंडिया तकनीक के महत्व को रेखांकित करती है। रक्षा मंत्री भी रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र की व्यापक भूमिका की बात कह चुके हैं। इसमें संदेह नहीं कि 2018 से ही भारतीय रक्षा उत्पादन उद्योग तेजी से बढ़ा है, लेकिन उसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी अपेक्षाकृत सीमित बनी हुई है। यह सही समय है कि इसका दायरा बढ़ाया जाए। अमेरिका आधुनिक सैन्य-औद्योगिक जुगलबंदी का उत्कृष्ट उदाहरण है। ऐसा मुख्य रूप से निजी क्षेत्र की मेहरबानी से है। एक समय अमेरिका की सामरिक जरूरतों की पूर्ति सरकारी उद्यमों से होती थी। करीब 68 प्रतिशत नौसैनिक जहाज सरकारी यार्ड में बनते थे और प्रमुख रक्षा तकनीक मुख्यतः ब्रिटेन से आयात होती थी। 19वीं सदी के आखिरी वक्त में निजी कंपनियों के इस क्षेत्र में आगमन ने वहां रक्षा उत्पादन के पूरे समीकरण बदल डाले। इन कंपनियों ने आधुनिक तकनीक में निवेश बढ़ाकर, औद्योगिक लाबी बनाकर रक्षा उत्पादन को नए आयाम दिए। प्रथम विश्व युद्ध के समय जब अमेरिका सैन्य महाशक्ति के रूप में स्थापित हुआ, तब निजी क्षेत्र उसकी रीढ़ बन चुका था। भारत में वाहन निर्माण से लेकर साफ्टवेयर क्षेत्र में उत्तरोत्तर बढ़ती ताकत में निजी क्षेत्र का अहम योगदान रहा है। देश में सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उत्पादन उपक्रमों ने भी अपनी विश्वसनीयता अर्जित की है। हाल के वर्षों में उनका प्रदर्शन और बेहतर हुआ है, लेकिन वे मुख्य रूप से लाइसेंस उत्पादन प्रणाली पर काम करते हैं। इस प्रणाली में उत्पादन की मात्रा, उसकी गति एवं सामरिक स्वायत्तता के मोर्चे पर अपनी कुछ सीमाएं हैं। आपरेशन सिंदूर ने इस आवश्यकता को नए सिरे से रेखांकित किया कि भारत के समक्ष उत्पन्न सुरक्षा चुनौतियों के निराकरण के लिए एक सक्षम स्वदेशी इनोवेटिव इकोसिस्टम का विकास करना होगा। इनोवेशन फार डिफेंस एक्सीलेंस यानी आइडीईएक्स जैसी पहल ने दर्शाया है कि भारतीय तकनीक वैश्विक मानकों की बराबरी करने और कई मामलों में उनसे इक्कीस साबित हो सकती हैं। इनसे न केवल समूची प्रक्रिया की गति तेज हो सकती है, बल्कि उत्पादन लागत भी किफायती रहेगी। अतीत में सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा अपनाए गए लाइसेंस उत्पादन या आयात आधारित माडल के उलट स्वदेशी नवाचार सामरिक बढ़त के साथ ही वास्तविक आत्मनिर्भरता का आधार बनता है। भारत का रक्षा नवाचार एवं उत्पादन लंबे समय से तकनीकी हस्तांतरण पर निर्भर रहा है। ऐसे अनुबंध विदेशी आपूर्तिकर्ताओं के पक्ष में कहीं अधिक झुके होते हैं। दूसरे देश केवल सीमित एवं मूलभूत तकनीक ही साझा करते हैं और अहम तकनीक के साथ कलपुर्जों आदि के मामले में फंसाए रखते हैं। इससे संबंधित प्रणालियों के रखरखाव से लेकर उन्हें उन्नत करने की प्रक्रिया भी प्रभावित होती है। ऐसे रक्षा करार बहुत महंगे होने के साथ ही अनापशनाप शर्तों से बंधे होते हैं। ऊंची लागत वाले इन सौदों से मिली तकनीक रणनीतिक मोर्चे पर निर्णायक समय में पूरी तरह भरोसेमंद भी नहीं रह जाती पिछले कुछ समय में रक्षा उत्पादन प्रणाली में निजी क्षेत्र की सहभागिता खासी तेजी से बढ़ी है। आज देश में 10,000 से अधिक एमएसएमई, 2,000 डिफेंस स्टार्टअप्स और 500 स्पेस स्टार्टअप्स का समूह रक्षा उत्पादन को परवान चढ़ाने के लिए तत्पर दिख रहा है। 2017-18 में निजी क्षेत्र का जो रक्षा निर्यात 1400 करोड़ रुपये का था, वह 2024-25 में बढ़कर 24,000 करोड़ रुपये हो गया। नए-नए खिलाड़ी रक्षा क्षेत्र में उत्पादन के लिए आगे आ रहे हैं। रक्षा उत्पादन से जुड़ी कंपनियों के शेयर भी तेजी पर हैं। वेंचर कैपिटलिस्ट रक्षा से जुड़े स्टार्टअप पर धनवर्षा से संकोच नहीं कर रहे। यह सब इस क्षेत्र की क्षमताओं और उसमें निवेशकों के बढ़ते भरोसे का ही प्रतीक है। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि निजी क्षेत्र ही देश के रक्षा उत्पादन उद्योग में तेजी का नेतृत्व करने जा रहा है। कई मोर्चों पर अपनी सीमाओं वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उलट निजी क्षेत्र लाभ एवं परिणाम आधारित दृष्टिकोण पर काम करता है, जो नवाचार एवं तकनीकी विकास को गति देता है। चूंकि रक्षा उत्पादन में कई बड़े खिलाड़ी रुचि ले रहे हैं, इसलिए इस मोर्चे पर ऊंचा निवेश संभव है। इसके जरिये भारी हेलीकाप्टर, जेट इंजन, पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान, पनडुब्बियों, रक्षा केंद्रित एआइ और सामरिक सामग्री के स्वदेशी एवं समयबद्ध उत्पादन की आशा बंधी है। निजी कंपनियां अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए विलय एवं अधिग्रहण जैसी बाजार-संचालित रणनीतियों से भी परहेज नहीं करतीं। सरकारी नीति भी निजी क्षेत्र के नेतृत्व वाले रक्षा उत्पादन को सक्रिय रूप से प्रोत्साहन दे रही है।रक्षा पूंजीगत बजट में 75 प्रतिशत को घरेलू खरीद के लिए निर्धारित किया गया है, जिसमें से 25 प्रतिशत निजी क्षेत्र के लिए आरक्षित है। बजट में शोध एवं विकास यानी आरएंडडी संबंधी गतिविधियों को भी बढ़ावा देने के उपाय किए गए हैं। कई प्रदर्शनियों एवं सम्मेलनों में इस आशय से जुड़ी महत्वपूर्ण घोषणाएं हुई हैं। इस संदर्भ में घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ ही निर्यात की संभावनाएं भी तलाशी जा रही हैं।वैश्विक रक्षा एवं विमानन बाजार पर कुछ देशों की चुनिंदा कंपनियों का ही दबदबा रहा है। बाकी दुनिया उन्हीं पर निर्भर रही है। अब सशक्त नीतिगत समर्थन एवं बढ़ती मांग ने भारत के लिए व्यापक अवसरों के द्वार खोले हैं। टाटा समूह देश में परिवहन विमान निर्माण की दिशा में कदम बढ़ा रहा है तो एयरबस जैसी दिग्गज कंपनी भी देश में उत्पादन को प्राथमिकता दे रही है। यह एयरोस्पेस क्षेत्र में देश की ऊंची छलांग हो सकती है। भारतीय निजी क्षेत्र और स्टार्टअप्स के लिए यह सही समय है कि वे अवसरों को भुनाकर स्वयं को अत्याधुनिक एवं प्रभावी तकनीकों के सक्षम आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करें।

चावल की छह खास किस्मों में मिले कैंसर से लड़ने वाले गुण, ब्लूबेरी जितने ताकतवर एंटीऑक्सीडेंट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

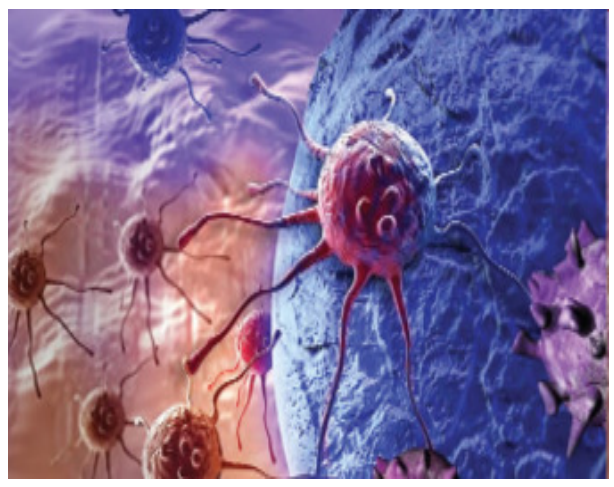

नई दिल्ली। वैज्ञानिकों ने चावल की 6 ऐसी किस्में खोजी हैं जिनमें कैंसर से लड़ने वाले प्राकृतिक एंटी-ऑक्सीडेंट तत्व पाए गए हैं। ये गुण ब्लूबेरी जैसे सुपरफूड के बराबर हैं। यह खोज भारत-चीन जैसे देशों में कोलोरेक्टल कैंसर की रोकथाम में अहम साबित हो सकती है।वैज्ञानिकों ने चावल की ऐसी छह किस्मों की पहचान की है, जिनमें कैंसर से लड़ने वाले प्राकृतिक गुण पाए गए हैं। इन चावलों में शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों से रक्षा करने वाले एंटी-ऑक्सीडेंट भी मौजूद हैं। यह खोज भारत और चीन जैसे एशियाई देशों के लिए बेहद अहम मानी जा रही है, जहां बड़ी संख्या में लोग कोलोरेक्टल कैंसर जैसी बीमारियों से प्रभावित हो रहे हैं।फिलीपींस स्थित अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई) के वैज्ञानिकों ने इसका खुलासा दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से जुटाए गए 1.32 लाख चावल के नमूनों की गहराई से जांच के बाद की।?इनमें से करीब 800 रंग-बिरंगे चावलों को चुना गया और उनके रसायनिक तत्वों व शरीर पर असर का परीक्षण किया गया।इस प्रक्रिया में छह ऐसी किस्में सामने आईं जिनमें अत्यधिक मात्रा में कैंसर रोधी और

एंटी-ऑक्सीडेंट तत्व पाए गए, जो ब्लूबेरी और चिया सीड्स जैसे महंगे सुपरफूड में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट गुणों के बराबर थे। जब इन किस्मों का कैंसर कोशिकाओं पर परीक्षण किया गया तो उन्होंने बहुत उच्च स्तर के कैंसर रोधी गुणों का प्रदर्शन किया। इस शोध के नतीजे साइंटिफिक जर्नल फूड हाइड्रोकोलॉइड्स एंड हेल्थ में प्रकाशित किए गए हैं।वैज्ञानिकों का कहना है कि इन चावल किस्मों से बने चोकर (भूसी) का अर्क बेहद असरदार है और यह पानी में आसानी से घुल जाता है। इस अर्क से तैयार पोषक मिश्रण (सप्लीमेंट) की थोड़ी सी मात्रा भी कैंसर कोशिकाओं को रोकने में कारगर साबित हुई है। करीब 300 ग्राम चोकर से एक किलो तक पोषक मिश्रण तैयार किया जा सकता है। मूल्य और लागत के लिहाज से भी यह बेहद सस्ता है। इस अर्क के माध्यम से कई तरह के पोषक मिश्रण सप्लीमेंट बनाए जा सकते हैं। इन चावलों को जब जब पकाया जाता है तो ये किस्में लगभग 70 प्रतिशत कैंसर-रोधी या एंटीऑक्सीडेंट गुण बनाए रखती हैं।दुनियाभर में बुजुर्गों के लिए त्वचा कैंसर एक नई और तेजी से उभरती स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में इस कैंसर के मामले चिंताजनक दर से बढ़ रहे हैं, जिनमें पुरुषों की हिस्सेदारी महिलाओं की तुलना में लगभग दो गुनी है। चीन के वैज्ञानिकों के एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है, जिसमें 204 देशों के आंकड़ों के विश्लेषण से यह पता चला कि केवल 2021 में ही बुजुर्गों में त्वचा कैंसर के 44 लाख नए मामले दर्ज किए गए।चीन की चोंगकिंग मेडिकल यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों द्वारा किए गए शोध अध्ययन में त्वचा कैंसर के तीन प्रमुख प्रकार मेलानोमा, स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा और बेसल सेल कार्सिनोमा पर 1990 से 2021 तक के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। यह अध्ययन प्रतिष्ठित जामा डर्मेटोलॉजी जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

राज्यसभा सीट को लेकर तकरार, एआईएडीएमके और डीएमडीके संभावित गठबंधन में आई खटास

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। डीएमडीके के सख्त रुख को देखते हुए एआईएडीएमके ने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी और डीएमडीके के बीच गठबंधन तोड़ने की साजिश रची जा रही है, लेकिन ये सफल नहीं होगी। लोकसभा चुनाव से पहले हुए समझौते का सम्मान न करने का आरोप लगाया। डीएमडीके की महासचिव प्रेमलता विजयकांत ने कहा कि एआईएडीएमके, पीएमके के अंबुमणि रामदास और टीएमसी के जीके वासन को एक-एक

राज्यसभा सीट आवंटन को लेकर एआईएडीएमके और डीएमडीके के बीच गठबंधन खटाई में पड़ता दिख रहा है। दरअसल एआईएडीएमके ने डीएमडीके को राज्यसभा सीट आवंटन टाल दिया है, जिससे नाराज होकर डीएमडीके पार्टी ने एलान कर दिया है कि वे एआईएडीएमके के साथ गठबंधन पर फैसला जनवरी 2026 में ही करेंगे। गौरतलब है कि रविवार को ही एआईएडीएमके के उप-महासचिव के पी मुनुसामी ने एलान किया था कि डीएमडीके, एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन का हिस्सा होगी।तमिलनाडु में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। डीएमडीके ने एआईएडीएमके पर 2024 राज्यसभा की सीट आवंटित कर चुकी है, अब उनकी पार्टी का नंबर है राज्यसभा सीट पाने का। डीएमडीके के सख्त रुख को देखते हुए एआईएडीएमके ने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी और डीएमडीके के बीच गठबंधन तोड़ने की साजिश रची जा रही है, लेकिन ये सफल नहीं होगी। डीएमडीके की नेता प्रेमलता ने बताया कि उनकी पार्टी और एआईएडीएमके के बीच समझौता हुआ था कि उन्हें 2024 लोकसभा चुनाव में लोकसभा की पांच और राज्यसभा की एक सीट मिलेगी। ये आश्वासन लिखित में दिया गया था, लेकिन तारीख नहीं बताई गई थी।

आरसीबी की जीत पर जश्न का माहौल, 'ई साला कप नामदे' के नारों से गूंजा देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। 18 साल के इंतजाकर के बाद आईपीएल खिताब जीतने पर आरसीबी समर्थकों के लिए मंगलवार की शाम जश्न से भरा रहा। फाइनल में पंजाब को 6 रन से हराकर आरसीबी ने पहली बार ट्रॉफी अपने नाम की। जीत के बाद सड़कों पर आतिशबाजी हुई दलों के नेताओं ने भी सोशल मीडिया पर बधाइयां दीं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने लिखा कि इतिहास रचने पर आरसीबी को बधाई। उन्होंने लिखा कि आखिरकार यह सपना अब सच हो गया- 'ई साला कप नाम दे'। वहीं कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने लिखा कि यह सिर्फ

और 'ई साला कप नामदे' के नारे गूंजे। देश के नेताओं व फैन्स ने टीम को जीत की खुब सारी बधाईयां भी दी। से जीत के बाद सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में सड़कों पर युवा और क्रिकेट प्रेमी आतिशबाजी करते दिखे। साथ ही 'ई साला कप नाम दे' के नारे भी गूंजने लगे। लोगों का उत्साह देखकर ये तो साफ हो गया कि आरसीबी की जीत उनके समर्थकों और खुद आरसीबी के लिए कितनी मायने रखती है। आरसीबी की जीत पर राजनीतिक जीत नहीं, भावनाओं का क्षण है। 18 साल की मेहनत, समर्पण और विश्वास आज रंग लाया।वहीं केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने आरसीबी को गर्म का पल बताया। उन्होंने लिखा कि यह जीत हर उस आरसीबी फैन की है, जिसने कभी उम्मीद नहीं छोड़ी। गर्व का पल है। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि 18 साल लगे यहां तक पहुंचने में, लेकिन हम पहुंचे और यही सबसे अहम है।

पीएम मोदी करेंगे एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत, कई राज्यों के सीएम होंगे शामिल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर पांच जून को 'एक पेड़ मां के नाम 2025' अभियान की शुरुआत करेंगे। इसी दिन पीएम मोदी अरावली ग्रीन वॉल परियोजना का का शुभारंभ भी करेंगे। इस मौके पर दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात के मुख्यमंत्री शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर दिल्ली के महावीर जयंती पार्क में पौधे लगाकर 'एक पेड़ मां के नाम 2025' अभियान की शुरुआत करेंगे। इस मौके पर दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात के मुख्यमंत्री अपने-अपने राज्यों से इस अभियान में शामिल होंगे। समाचार एजेंसी एएनआई के हवाले से सरकारी सूत्रों ने बताया कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान

एक व्यापक जन अभियान बन गया है, जिसे पीएम मोदी ने पहली बार 5 जून 2024 को शुरू किया था। अब इस अभियान को 2025 में भी आगे बढ़ाया जा रहा है। पर्यावरण मंत्रालय के अनुसार, इस अभियान के तहत अब तक 109 करोड़ पेड़ लगाए जा चुके हैं।इसके अलावा, पीएम मोदी इसी दिन अरावली ग्रीन वॉल परियोजना का शुभारंभ भी करेंगे। इस परियोजना का उद्देश्य अरावली पर्वत श्रृंखला के साथ एक हरित क्षेत्र बनाना है, ताकि भूमि क्षरण और मरुस्थलीकरण को रोका जा सके। इस परियोजना का मकसद क्षीण पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करना, भूजल पुनर्भरण को बढ़ाना और टिकाऊ भूमि उपयोग प्रथाओं को बढ़ावा देना है। गौरतलब है कि अरावली की 700 किलोमीटर की सीमा चार राज्यों से लगती है, जिसमें दिल्ली, गुजरात, राजस्थान और हरियाणा की सीमाएं शामिल हैं। इसमें 29 जिले, चार बाघ अभयारण्य और 22 वन्यजीव अभयारण्य शामिल हैं।

कृत्रिम बारिश से कंट्रोल होगा दिल्ली का प्रदूषण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को एक प्रेस

कांफ्रेंस कर कहा कि वायु प्रदूषण कई कारणों से होता है। बारिश के कुछ दिनों को छोड़कर यह साल भर चलता रहता है। इसलिए प्रदूषण को कंट्रोल करने के लिए साल भर चलने वाले उपाय आजमाए जा रहे हैं।दिल्ली को वायु प्रदूषण से मुक्त रखने के लिए इस बार कई प्रयोग किये जा रहे हैं। इसमें प्रदूषण बढ़ने पर क्लाउड सीडिंग (कृत्रिम बारिश) सबसे अलग होगा। वायु प्रदूषण बढ़ने पर बादलों से कृत्रिम बारिश कराकर प्रदूषण को कम करने की कोशिश की जाएगी। दिल्ली की ऊंची बिल्डिंगों पर स्मॉग गन लगाने सहित 25 बिंदुओं पर काम करके दिल्ली को प्रदूषण से मुक्त कराने की कोशिश की जाएगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को एक प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि वायु प्रदूषण कई कारणों से होता है। बारिश के कुछ दिनों को छोड़कर यह साल भर चलता रहता है। इसलिए प्रदूषण को कंट्रोल करने के लिए साल भर चलने वाले उपाय आजमाए जा रहे हैं। इससे दिल्ली को प्रदूषण से बचाने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार के द्वारा ऑड-इवेन योजना को लागू किया गया था। लेकिन इससे प्रदूषण को रोकने में कोई लाभ नहीं हुआ, उलटे जिन लोगों के पास एक ही वाहन थे, उन्हें बाहर निकलने में दिक्कतें हुईं। सरकार इस तरह की कोई योजना नहीं बनाएगी जिससे लोगों को परेशानी हो। बादलों से कृत्रिम बारिश कराकर वायु प्रदूषण को कम करने की कोशिश की जाएगी।

सीएम साय ने अनुदान राशि का किया वितरण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ शिल्प विकास बोर्ड की नवनियुक्त अध्यक्ष शालिनी राजपूत को पदभार ग्रहण करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड शिल्पकारों की बेहतरी के लिए कार्य करेगा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मंगलवार को राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड की नवनियुक्त अध्यक्ष शालिनी राजपूत के पदभार ग्रहण समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हस्तशिल्प विकास की अपार संभावनाएं हैं। यहां की कलाकृतियों की मांग विदेशों तक है। छत्तीसगढ़ के हस्तशिल्प उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने और हस्तशिल्पियों को उनके हुनर की उचित कीमत दिलाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने हस्तशिल्पियों को औजार उपकरण योजना अंतर्गत पाँच पांच हजार रुपये की अनुदान राशि का वितरण किया। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ शिल्प विकास बोर्ड की नवनियुक्त अध्यक्ष शालिनी राजपूत को पदभार ग्रहण करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड शिल्पकारों की बेहतरी के लिए कार्य करेगा।

नौकरियों में स्थानीय लोगों को 85 फीसदी मिलेगा आरक्षण, केंद्र ने अधिसूचित किया नियम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद अधिनियम, 1997 के तहत परिषद की कुल सीट में से कम से कम एक तिहाई सीट महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी और ऐसी सीट अलग-अलग क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों को बारी-

बारी से आवंटित की जा सकती हैं।केंद्र सरकार ने राष्ट्रपति से स्वीकृत लद्दाख सिविल सेवा विकेंद्रीकरण एवं भर्ती-निवास प्रमाण पत्र (प्रक्रिया) नियम, 2025 को अधिसूचित कर दिया है। आरक्षण और अधिवास संबंधी नए नियम के तहत नौकरियों में स्थानीय लोगों को 85 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10 फीसदी आरक्षण को बरकरार रखा गया है। वहीं, लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषदों में एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।केंद्र के इस कदम का उद्देश्य स्थानीय हितों की रक्षा करना है। जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाला अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद से लद्दाख के लोग अपनी भाषा, संस्कृति और भूमि की रक्षा के लिए संवैधानिक सुरक्षा की मांग कर रहे थे। सरकार की अधिसूचना के मुताबिक, नौकरियों, स्वायत्त परिषदों और अधिवास में आरक्षण की नीतियों में बदलाव तुरंत प्रभाव से लागू होंगे। अधिसूचना के मुताबिक, लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद अधिनियम, 1997 के तहत परिषद की कुल सीट में से कम से कम एक तिहाई सीट महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी और ऐसी सीट अलग-अलग क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों को बारी-बारी से आवंटित की जा सकती हैं। लद्दाख के लोगों की चिंताओं को दूर करने के लिए पहली बार जनवरी 2023 में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया था। इसने लद्दाख के प्रतिनिधियों के साथ उनकी मांगों का सौहार्दपूर्ण समाधान खोजने के लिए कई बैठकें की थीं।

पराग्वे खरीदने को इच्छुक भारत को इस रेलवे परियोजना से जुड़ने का न्योता भी दिया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। भारत में निर्मित वंदे भारत ट्रेन को लेकर पराग्वे के अलावा चिली, कनाडा और मलयेशिया भी रुचि जता चुके हैं। पिछले साल इन देशों ने मेक इन इंडिया के तहत बनी इस ट्रेन को

आयात करने की इच्छा जताई थी।केंद्रीय इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि पराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना ने भारत में निर्मित वंदे भारत ट्रेनों के आयात की इच्छा जताई है। केंद्रीय मंत्री ने सोमवार को पेना के साथ हुई वार्ता में भारतीय रेलवे में विकास के मौकों पर चर्चा की।वैष्णव ने बैठक में हुई चर्चा की जानकारी सोशल मीडिया पर देते हुए बताया कि वंदे भारत ट्रेनों के आयात में रुचि दिखाने के अलावा पराग्वे के राष्ट्रपति ने भारत को सेंट्रल बाय-ओशनिक रेलवे कॉरिडोर परियोजना (अटलांटिक और प्रशांत महासागरों को जोड़ने वाली) में शामिल होने के लिए भी आमंत्रित किया। वंदे भारत 'मेक इन इंडिया' अभियान को मजबूत करने की दिशा में भारत सरकार के प्रयासों का प्रतिबिंब है। एजेंसीभारत में निर्मित वंदे भारत ट्रेन को लेकर पराग्वे के अलावा चिली, कनाडा और मलयेशिया भी रुचि जता चुके हैं। पिछले साल इन देशों ने मेक इन इंडिया के तहत बनी इस ट्रेन को आयात करने की इच्छा जताई थी। दरअसल, दूसरे देशों में इसी श्रेणी की ट्रेन तैयार करने में 180 करोड़ रुपये तक की लागत आती है। वहीं भारत में यह ट्रेन 120-130 करोड़ रुपये में ही तैयार हो जाती है। देशों के इसे आयात करने के पीछे का यही एक प्रमुख कारण है।पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को 15 फरवरी, 2019 को नई दिल्ली-कानपुर-प्रयागराज-वाराणसी मार्ग पर हरी झंडी दिखाई गई थी। यह ट्रेन अधिकतम 160 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलने में सक्षम है और इसमें शताब्दी ट्रेन जैसी यात्रा श्रेणियां हैं, लेकिन इसकी सुविधाएं उच्च श्रेणी वाली हैं। यही इस ट्रेन को खास बनाता है।राजस्थान के जोधपुर रेल मंडल के भगत की कोठी में देश का पहला वंदे भारत ट्रेनों के लिए रखरखाव डिपो बनाया जा रहा है। जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने मंगलवार को बताया कि जोधपुर मंडल के भगत की कोठी में बन रहा वंदे भारत रखरखाव डिपो पूरे भारत से वंदे भारत ट्रेनों के रखरखाव का काम संभालेगा। 600 मीटर में फैले इस डिपो में एक साथ तीन ट्रेनों की सर्विस के लिए तीन पिट लाइन होंगी। देशभर में ऐसे चार और डिपो की योजना है।

अब तक 43 मौतें, सात लाख लोग प्रभावित असम के11 जिलों के लिए यलो अलर्ट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। मानसून ने समूचे पूर्वोत्तर क्षेत्र को कवर कर लिया है और वहां पिछले चार-पांच दिनों से भारी बारिश हो रही है। अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर मिजोरम समेत सभी राज्यों में बाढ़ ने विकराल रूप ले लिया है। असम व मणिपुर में बाढ़ और बारिश से सात लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। मणिपुर में 3,365 घरों को नुकसान पहुंचा है। मूसलाधार मानसूनी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से पूर्वोत्तर के लगभग सभी राज्यों में स्थिति गंभीर बनी हुई है। जानें ताजा अपडेट्स मानसूनी बारिश से पूर्वोत्तर में आई बाढ़ ने विकराल रूप ले लिया है। असम में ब्रह्मपुत्र और बराक समेत 15 से अधिक छोटी-बड़ी नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। कई राज्यों में बहुत बड़ा क्षेत्र बाढ़ की चपेट में है। लगभग 7 लाख लोग प्रभावित हुए हैं, हजारों मकान ध्वस्त या बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं। हजारों लोगों को राहत शिविरों में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है। अब तक 43 लोगों की जान भी जा चुकी है।असम और मेघालय में भारी तबाही देखने को मिल रही है। दोनों ही राज्यों में बाढ़ की स्थिति बेहद गंभीर हो गई है। असम में 21 जिले बाढ़ की चपेट में है और 6.32 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। स्थानीय मौसम केंद्र ने 11 जिलों में आंधी-तूफान और बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। सड़क, रेल और फेरी सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं।दक्षिण-

पश्चिम मानसून समय से लगभग आठ दिन पहले आने के बाद ठिठक गया है। अब इसके 11 जून से फिर गति पकड़ने की उम्मीद है। इस बीच, जहां तक मानसून पहुंचा है वहां भारी बारिश हो रही है। इनमें दक्षिण भारत के केरल और आंध्र प्रदेश समेत पूर्वोत्तर के सभी राज्य शामिल हैं। पूर्वोत्तर में खासतौर पर ज्यादा नुकसान पहुंचा है। मौसम विभाग के मुताबिक 5 जून तक पूर्वोत्तर में बारिश जारी रहने की संभावना जताई है। इससे स्थिति के और खराब होने की आशंका है।सिक्किम में भूस्खलन के बाद फंसे 34 लोगों को दो एमआई-17 वी5 हेलिकॉप्टरों की मदद से सुरक्षित निकाल कर पास के पाकयोंग हवाई अड्डे पर पहुंचाया गया है। राज्य में राज्य के विभिन्न हिस्सों में फंसे अब तक 1,700 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है।सिक्किम के लाचेन शहर के छतेन में सैन्य शिविर पर भूस्खलन के बाद लापता छह सैनिकों की तलाश तेज कर दी गई है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की 23 सदस्यीय टीम को भी तलाशी अभियान में लगाया गया है। वहीं, उफनती तीस्ता नदी में वाहन के साथ बहे आठ लोगों की तलाश भी तेज कर दी गई है। 29 मई की रात वाहन एक हजार फीट नीचे नदी में गिर गया था। इसमें 11 लोग सवार थे, जिनमें से दो लोगों को सुरक्षित निकाल गया था, जबकि एक की मौत हो गई थी, शेष लोगों का अब तक कुछ पता नहीं चल पाया है। वहीं, मेघालय में एनडीआरएफ के जवान इंदौर की एक लापता पर्यटन की तलाश में जुटे हैं। महिला के पति का शव एक दिन पहले पूर्वी खासी हिल्स जिले के सोहरा इलाके में एक खड्ड में मिला था, जिसकी पहचान राजा रघुवंशी (29) के रूप में हुई थी। राजा और उनकी पत्नी सोनम 23 मई से ही लापता थे। एनडीआरएफ की 17 सदस्यीय टीम सोनम की तलाश में जुटी है।बारिश और बाढ़ से मिजोरम भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बीते 10 दिनों के दौरान मूसलाधार बारिश के चलते भूस्खलन की 552 घटनाएं हुई हैं और 152 घरों को नुकसान पहुंचा है। इन घटनाओं में 5 लोगों की जान चली गई है। भूस्खलन या दरारों के कारण 198 परिवारों ने अपने घर छोड़ दिए हैं और बाढ़ के कारण 92 अन्य ने अपने घर खाली कर दिए हैं। बाढ़ से राज्य के 11 जिले प्रभावित हुए हैं। बारिश के चलते 10 जिलों में मंगलवार को पांचवें दिन भी स्कूल बंद रहे।

असली पैसे वाले ऑनलाइन गेम खेलने के लिए आधार जरूरी, हाईकोर्ट का आयु सत्यापन के नियम में दखल से इनकार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। मद्रास हाईकोर्ट ने असली पैसों वाले ऑनलाइन गेम के लिए आधार से आयु सत्यापन और रात 12 से सुबह 5 बजे तक गेमिंग पर रोक जैसे नियमों को बरकरार रखा है। कोर्ट ने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा को देखते हुए ऐसे गेम पर नियंत्रण जरूरी है। मद्रास हाईकोर्ट ने मंगलवार को असली पैसे वाले ऑनलाइन गेम खेलने के लिए आधार के जरिए आयु सत्यापन के नियम में ढील देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने रात 12 बजे से सुबह 5 बजे तक इन गेम पर रोक और अन्य प्रतिबंधों को बरकरार रखा। जस्टिस एस. एम. सुब्रमण्यम और जस्टिस के. राजशेखर की बेंच ने यह फैसला सुनाया। नई दिल्ली स्थित हेड डिजिटल वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड और पांच अन्य ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों की ओर से याचिकाएं दायर की गई थीं। याचिकाकर्ताओं ने तमिलनाडु ऑनलाइन गेमिंग प्राधिकर द्वारा बनाए गए 'ऑनलाइन गेमिंग (रियल मनी गेम्स) विनियम 2025' को असांविधानिक घोषित करने की मांग की थी।इन याचिकाओं में यह आपत्ति जताई गई थी कि पहली बार लॉगिन करते समय आधार नंबर आधारित केवाईसी अनिवार्य की गई है और रात 12 बजे से सुबह 5 बजे तक गेम खेलने पर 'ब्लैक आवर' यानी पूर्ण प्रतिबंध लागू किया गया है।कोर्ट सरकार केवल मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकती, जब बड़ी संख्या में लोग किसी खास ऑनलाइन गेम या व्यापार के जरिए गंभीर या व्यापार करने का अधिकार देता है। जनता के अधिकारों और व्यक्तिगत कारोबार के अधिकारों में संतुलन जरूरी है। कोई भी व्यक्ति

ने कहा, याचिकाकर्ता अपने पक्ष में ऐसा कोई मजबूत आधार नहीं रख सके, जिससे उन्हें इस प्रक्रिया में राहत दी जा सके। कोर्ट की राय थी कि जब कोई ऑनलाइन गेम या मनोरंजन गतिविधि सार्वजनिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, तो उसे विनियमित किया जाना जरूरी हो जाता है। हाईकोर्ट ने कहा, राज्य शारीरिक, मानसिक और आर्थिक जोखिम झेल रहे हों। ऐसी स्थिति में, अगर पूरी तरह से रोक लगाना संभव नहीं है, तो कम से कम कुछ नियम तो अनिवार्य रूप से लागू होने ही चाहिए। कोर्ट ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 19(1)(जी) भी उचित प्रतिबंधों के अधीन है, जो किसी भी व्यवसाय को चलाने अपने व्यापार के अधिकार के नाम पर अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार को प्रभावित नहीं कर सकता। कोर्ट को उन लोगों के अधिकारों को भी ध्यान में रखना होगा जो इन ऑनलाइन गेम को खेलते हैं। उनके अधिकार भी संविधान में सुरक्षित हैं और राज्य का दायित्व है कि वह उनकी रक्षा करे।

बॉलीवुड/टेली मसाला

आरसीबी की जीत पर खुश हुए सेलेब्स, विक्की कौशल बोले- 'ये लंबे वक्त से बाकी था'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आरसीबी के पहली आईपीएल ट्रॉफी जीतने पर हर कोई आरसीबी ने इतिहास रच दिया। विराट कोहली और पूरी आरसीबी की टीम को बधाई।' अभिनेता इंस्टाग्राम स्टोरी पर आरसीबी की चैंपियन वाली फोटो शेयर की। इसके साथ रश्मिका ने लिखा, 'यहां

खुश है और विराट कोहली और उनकी टीम को बधाई दे रहा है। इस जीत पर सेलेब्स ने भी अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं। विराट कोहली की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने आईपीएल में अपना ट्रॉफी का सूखा खत्म कर लिया है। 18 साल बाद आईपीएल के 18वें सीजन में आरसीबी ने ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। आरसीबी के फैंस पिछले 17 साल से इस ट्रॉफी का इंतजार कर रहे थे। अब आरसीबी की जीत पर फैंस से लेकर सेलेब्स तक खुशी जता रहे हैं। जानते हैं किस तरह से विराट कोहली की आरसीबी की जीत पर सेलिब्रिटीज ने दी प्रतिक्रियाएं इमोजी अजय देवगन ने आरसीबी की जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, 'वर्षों से देख रहा हूं और चीयर कर रहा हूं। फाइनली कार्तिक आर्यन ने आरसीबी की जीत पर विराट कोहली को बधाई देते हुए लिखा, 'फाइनली जर्सी नंबर 18, 18 सालों बाद। बधाई हो विराट कोहली।' अभिनेता सोनू सूद ने आरसीबी की जीत पर खुशी जताते हुए एक्स पर लिखा, 'मेहनत का फल मीठा होता है। फाइनली विराट भाई और पूरी टीम को दिल से बधाई।' सोनू ने पंजाब को भी सांत्वना देते हुए लिखा कि टफ लक, आप मेहनत और दिल से खेले।वहीं अनन्या पांडे और भूमि पेडनेकर ने भी आरसीबी की जीत पर खुशी जताते हुए अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर आरसीबी को बधाई दी है। अनन्या ने एक रील को री-शेयर किया है,साथ में खुशी और भावुक वाला इमोजी बनाया है। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने भी आरसीबी की जीत पर खुशी जताते हुए अपनी तक जीत की खुशबू आ रही है।'एक्ट्रेस श्रीलीला ने आरसीबी की जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए विराट कोहली और टीम की जश्न मनाते एक फोटो शेयर की है। इसके साथ उन्होंने लिखा है 'ई साला साला कप आरसीबी दे।' रणवीर सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पर आरसीबी की जीत पर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी एक रील को री-शेयर करते हुए लिखा, 'वन कल्ब प्लेयर विराट कोहली।' अल्लू अर्जुन ने आरसीबी की जीत पर एक पोस्ट किया। साथ ही अपने बेटे की फोटो वाला एक पोस्ट भी शेयर किया है। इसमें उनका बेटीँएँ की जीत पर इमोशनल हो गया। अवनीत कौर ने अपने घर में बैठकर टीवी पर ँएँ की जीत का जश्न मनाया। इसी तस्वीर को एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर साझा किया है।

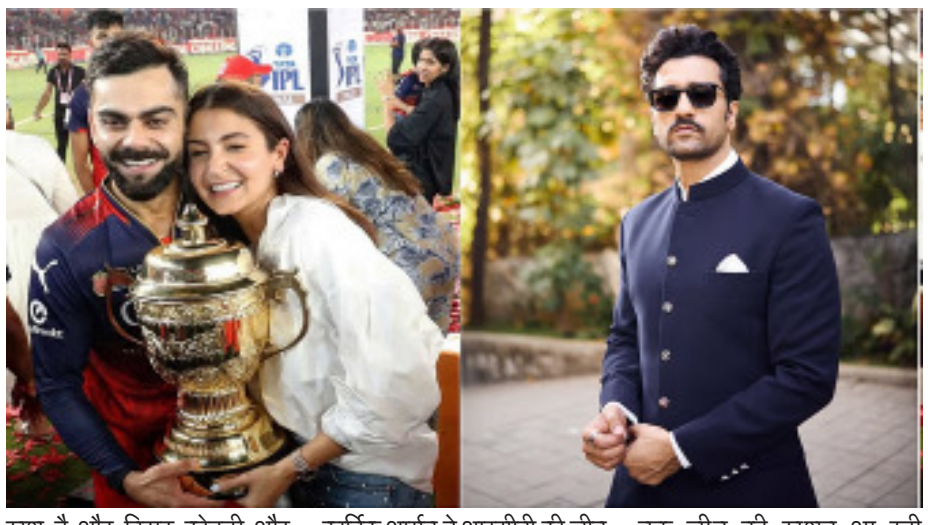

आईपीएल फाइनल मैच के बावजूद भी करोड़ों में रही कमाई, जानिए 12वें दिन का कलेक्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। फिल्म 'भूल चूक माफ' को आज थिएटर में 12 दिन हो चुके हैं। इस फिल्म के पास कमाई

के लिए बस दो दिन और बचे हैं, इसके बाद यह ओटीटी पर चली जाएगी। जानिए, आज यानी मंगलवार को आईपीएल मैच का फाइनल होने के बावजूद इस फिल्म ने कितनी कमाई की?राजकुमार राव और वामिका गब्बी की रोमांटिक-कॉमेडी ड्रामा फिल्म अपने बजट से अधिक कमाई करने में कामयाब रही है। जानिए, 12वें दिन में आकर इसने कितनी कमाई की? इसका कुल कलेक्शन कितना हुआ है। अब तक प्राप्त शुरुआती आंकड़ों के अनुसार राजकुमार राव की फिल्म 'भूल चूक माफ' ने 12वें दिन 1.6 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। अब तक इस फिल्म ने 62.75 करोड़ रुपये की कुल कमाई की है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में इस फिल्म का बजट 60 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। इस तरह देखा जाए तो थिएटर से उतरने से पहले यह अपना बजट वसूल कर चुकी है। 'भूल चूक माफ' के पास कमाई करने के लिए बस दो दिन बचे हैं। दरअसल, यह फिल्म थिएटर में सिर्फ दो हफ्तों के लिए रिलीज हुई है। 6 जून को ओटीटी प्राइम वीडियो पर दर्शक इसे देख पाएंगे। बजट तो यह फिल्म वसूल कर चुकी है। अब दो दिनों में चंद करोड़ रुपये और बटोर लेगी। यह भी फिल्म के लिए फायदे का सौदा ही होगा। फिल्म 'भूल चूक माफ' की कहानी में एक शादी हो रही है, जिसके साथ टाइम लूप का कॉन्सेप्ट चलता है। फिल्म में रंजन (राजकुमार राव) और तितली (वामिका गब्बी) की शादी का दिन आता ही नहीं है, हल्दी वाले दिन पर ही समय अटक जाता है। फिल्म को करण शर्मा ने निर्देशित किया है। फिल्म में राजकुमार राव रंजन के किरदार में खूब जमे हैं। छोटे शहर के लड़के का रोल निभाने में वह पहले से ही माहिर हैं। फिल्म 'भूल चूक माफ' में राजकुमार राव, वामिका गब्बी के अलावा संजय मिश्रा, जाकिर हुसैन, सीमा पाहवा और रघुबीर यादव जैसे कलाकार भी हैं।

रोनो मुखर्जी की प्रेयर मीट में पहुंचीं काजोल, जया बच्चन और सलीम खान भी हुए शामिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।पिछले दिनों फिल्म निर्देशक रोनो मुखर्जी का निधन हुआ। वे काजोल-रानी मुखर्जी और मुखर्जी ने दो फिल्मों का ही निर्देशन किया। उनके निर्देशन में बनी पहली फिल्म 1965 में आई, जिसका नाम था 'तू ही मेरी जिंदगी'। उनके परिवार वालों के गले लगकर उन्हें सपोर्ट करती भी दिखीं। जया बच्चन अपनी बेटी श्वेता के साथ रोनो मुखर्जी की प्रेयर मीट में

निर्देशक अयान मुखर्जी के चाचा थे। आज मुंबई में उनकी प्रेयर मीट यानी प्रार्थना सभा हुई। इसमें परिवार के अलावा बॉलीवुड की कई हस्तियां भी पहुंची हैं।निर्देशक रोनो मुखर्जी की प्रार्थना सभा में बॉलीवुड से जुड़े कई लोग पहुंच रहे हैं। काजोल को भी इस मौके पर देखा गया। साथ ही जया बच्चन, सलीम खान भी पहुंचे। ये सभी लोग रोनो मुखर्जी को याद करने के लिए उनकी प्रार्थना सभा में आए हैं। रोनो निर्देशन में बनी दूसरी फिल्म 'हैवान' 1977 में आई। रोनो मुखर्जी अभिनेत्री शरबनी मुखर्जी के पिता थे। शरबनी ने 'बॉर्डर', 'गॉड ऑनली नोज', 'मोहनदास' जैसी फिल्मों में काम किया है। आज उनकी प्रार्थना सभा में पूरा परिवार फिर से साथ आया है। काजोल रोनो मुखर्जी की काफी करीबी थीं, वह रिश्ते में उनके चाचा लगते थे। काजोल को तेजी से प्रार्थना सभा में आते हुए देखा। साथ ही वह शामिल हुईं। दोनों गाड़ी से साथ उतरे और प्रार्थना सभी की तरफ आगे बढ़ गए। पैपराजी जया और श्वेता बच्चन की फोटो क्लिक करते नजर आए। बॉलीवुड के मशहूर राइटर और सलमान खान के पिता सलीम खान भी रोनो मुखर्जी की प्रेयर मीट में शामिल हुए। वह काफी कमजोर नजर आए। वह सहारा लेकर चलते हुए दिखे। वह लंबे वक्त से रोनो मुखर्जी को जानते थे।

आमिर खान ने फैंस को दिया बड़ा सरप्राइज, यूट्यूब पर मुफ्त में स्ट्रीम होगी उनकी यह ब्लॉकबस्टर फिल्म

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आमिर खान ने हाल ही में घोषणा की है कि उनकी एक सुपरहिट फिल्म अब यूट्यूब पर मुफ्त में देखी जा सकेगी, लेकिन

एक खास शर्त के साथ।बॉलीवुड मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'सितारे जमीन पर' को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। इन दिनों आमिर इस फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। वहीं इसी बीच एक इवेंट के दौरान उन्होंने अपनी एक ब्लॉकबस्टर फिल्म को यूट्यूब पर मुफ्त में दिखाने की बात कही है। दरअसल, बॉलीवुड हंगामा की एक खबर के मुताबिक, आमिर की फिल्म 'तारे जमीन पर' को यूट्यूब पर मुफ्त में दिखाया जाएगा, लेकिन एक खास शर्त के साथ। इस फिल्म को केवल 1-2 हफ्तों के लिए ही उनके यूट्यूब चैनल आमिर खान टॉकीज पर उपलब्ध कराया जाएगा। इस इवेंट में आमिर ने फिल्म 'तारे जमीन पर' के एक सीन के बारे में भी बात की। जिस सीन में एक नाव वाला सीन था। होस्ट ने पूछा कि क्या उस सीन की तस्वीर में आमिर के माता-पिता हैं, तो आमिर ने मजाक में कहा कि उन्हें नहीं पता, शायद वे अमोल गुप्ते के माता-पिता हों! उन्होंने अपने सह-कलाकार दर्शील सफारी की भी तारीफ की, जो सेट पर हमेशा नाचते रहते थे, लेकिन शॉट के समय तुरंत अपने किरदार में ढल जाते थे। आमिर खान जल्द ही फिल्म 'सितारे जमीन पर' में नजर आएंगे। यह एक स्पोर्ट्स कॉमेडी-ड्रामा है। यह फिल्म 20 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में आमिर खान के अलाव जेनेलिया देशमुख, डॉली अहलूवालिया और कई नए कलाकार नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण आमिर खान, अपर्णा पुरोहित और रवि भागचंदका ने मिलकर किया है। इसे दिव्य निधि शर्मा ने लिखा है।

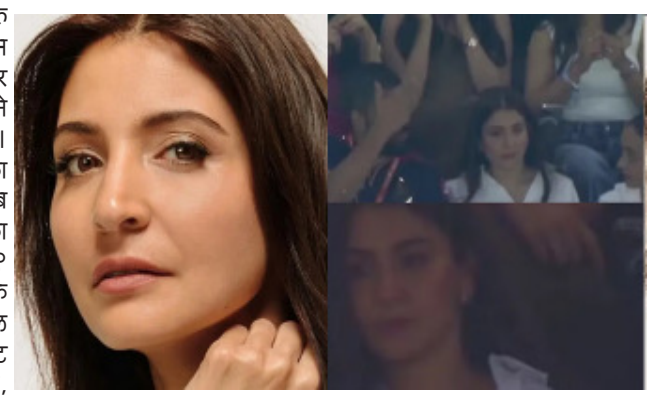

विराट कोहली के आउट होने पर मायूस हुईं अनुष्का शर्मा, वायरल रिएक्शन देखकर फैंस भी दुखी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आईपीएल का फाइनल मैच इँख्र यानी पंजाब किंग्स और ँएँ यानी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच हो रहा है, यह मैच फैंस के दिलों की धड़कन को तेज कर रहा है। कुछ देर पहलेँएँ से खेलने वाले विराट कोहली आउट हुए। इस पर पत्नी अनुष्का शर्मा का रिएक्शन सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। यूजर्स अनुष्का के रिएक्शन पर क्या कह रहे हैं? जानिए। आज क्रिकेट लवर्स के लिए खास दिन हैं, आईपीएल फाइनल मेंँएँ और इँख्र क्रिकेट टीम के बीच कौन मैच जीतेगा, इस पर सबकी निगाहें हैं। स्टेडियम में पल-पल बहुत कुछ बदल रहा है। विराट कोहली के आउट होने पर फैंस तो दुखी हुए ही, अनुष्का काफी मायूस दिखीं। अनुष्का का रिएक्शन सोशल मीडिया पर भी वायरल है अनुष्का शर्मा आईपीएल के हर मैच में विराट कोहली को सपोर्ट करने पहुंचती हैं। आज यानी मंगलवार को भी आईपीएल का फाइनल मैच देखने के लिए वह

पहुंची हैं। मैच की शुरुआत में वह काफी खुश थीं। फिर विराट कोहली आउट हो गए। इस पर अनुष्का का चेहरा उतर गया, वह काफी दुखी दिखीं। अनुष्का शर्मा को दुखी देखकर फैंस भी निराश हुए। फिर भी कुछ फैंस को उम्मीद है कि मैच विराट कोहली की टीमँएँ ही जीतेगी। दरअसल, कुछ फैंस का मानना है कि जब-जब अनुष्का व्हाइट शर्ट में मैच देखने आती हैं तो विराट की टीम जीत जाती है। आज के आईपीएल फाइनल मैच में आमिर खान भी पहुंचे थे। इस दौरान आमिर ने अपनी फिल्म 'तारे जमीन पर' का प्रमोशन भी किया। शंकर महादेवन ने ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया। अपने गीतों से समा बांधा।

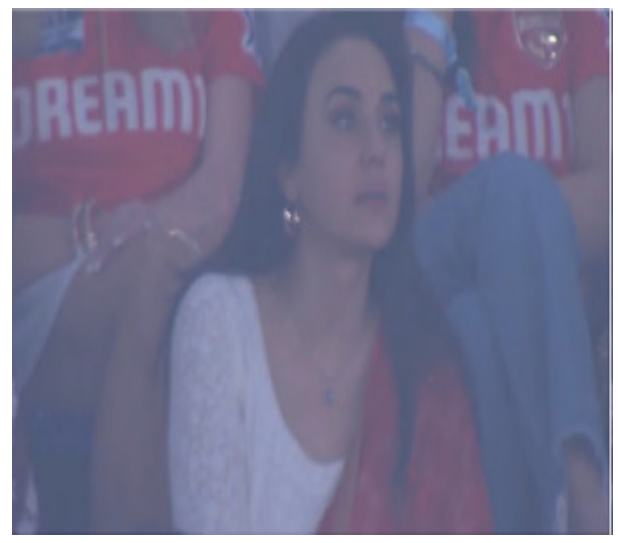

दूसरे सीजन में थोड़ा संस्कारी दिखेगा राणा नायडू, नेटफ्लिक्स ने गालियां हटाकर कराई शूटिंग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। राणा दग्गुबाती और वेंकटेश दग्गुबाती की आगामी वेब सीरीज 'राणा नायडू' का दूसरा सीजन पहले से अलग और अनोखा होगा। जानिए कैसे गाली गलौज में नेटफ्लिक्स की भारत में बनी पहली सीरीज 'सेक्रेड गेम्स' को भी मात देने वाली सीरीज रही है 'राणा नायडू'। असल जिंदगी के चाचा-भतीजे राणा दग्गुबाती और वेंकटेश दग्गुबाती ने इस सीरीज के पहले सीजन में इतना गदर

काटा था कि घरेलू माहौल में ये सीरीज देखना लोगों के लिए मुश्किल हो गया। नेटफ्लिक्स के ग्राहकों ने सीरीज को लेकर जो फीडबैक दिया, उसके बाद इसका दूसरा सीजन फिर से शूट किया गया है और अब 13 जून को रिलीज होने के लिए तैयार है। सुरवीन चावला, कृति खरबंदा, सुशांत सिंह, अभिषेक बनर्जी और डिनो मोरिया अभिनीत सीरीज 'राणा नायडू' के दूसरे सीजन में अर्जुन रामपाल की खासतौर से एंट्री हो रही है। अर्जुन रामपाल ने इससे पहले फिल्म 'ओम शांति ओम' में शाहरुख खान के सामने विलेन का रोल किया था और अब वह साउथ के दो दिग्गज सितारों के सामने अपनी खलनायकी दिखाने आ रहे हैं। निर्देशक करण अंशुमान इस बारे में कहते हैं, राणा और नागा अभी भी सिर टकरा रहे हैं। दो मजबूत इरादों वाले पुरुष अपने अतीत और अपनी खामियों से दबे हुए हैं। घर पर क्या चल रहा है? चलिए बस इतना ही कहते हैं कि नायडू परिवार का ड्रामा अराजकता के एक नए स्तर पर पहुंच गया है। वफादारी बदल रही है, प्यार और विश्वासघात के बीच की रेखा धुंधली होती जा रही है। और तभी रऊफ इस कहानी में कदम रखता है। अब कहानी के नायक का एक ही कर्तव्य है, अपने परिवार की रक्षा करना, चाहे कोई भी कीमत क्यों न हो।

आईपीएल फाइनल में नहीं दिखेगा 'वॉर 2' का दूसरा प्रोमो

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। फिल्म 'वॉर 2' के फैंस उम्मीद लगाकर बैठे थे कि आईपीएल के फाइनल मैच के दौरान उन्हें फिल्म का अगला प्रोमो देखने को मिलेगा। लेकिन ऐसा नहीं होने वाला है। जानिए, इसका कारण यशराज फिल्म्स स्पाई यूनीवर्स की अगली फिल्म 'वॉर 2' का अगला प्रोमो हैदराबाद में चल रहे आईपीएल के फाइनल मैच के बीच नहीं दिखाया जाएगा। मंगलवार शाम से ही स्पाई यूनिवर्स के प्रशंसक इस प्रोमो को लेकर उम्मीदें लगाए रहे हैं लेकिन अमर उजाला के पास ये पक्की खबर है कि रॉयल चैलेंजर्स, बेंगलुरु और पंजाब किंग्स के फाइनल मैच के दौरान ऐसा कोई प्रोमो रिलीज नहीं होने वाला। मैच की पहली पारी खत्म हो चुकी है और अब पंजाब किंग्स की बैटिंग शुरू हो चुकी है। यशराज फिल्म्स स्पाई यूनीवर्स की अगली फिल्म 'वॉर 2' का अगला प्रोमो हैदराबाद में चल रहे आईपीएल के फाइनल मैच के बीच नहीं दिखाया जाएगा। होने वाला। मैच की पहली पारी खत्म हो चुकी है और अब पंजाब किंग्स की बैटिंग शुरू हो चुकी है।

मंगलवार शाम से ही स्पाई यूनिवर्स के प्रशंसक इस प्रोमो को लेकर उम्मीदें लगाए रहे हैं लेकिन अमर उजाला के पास ये पक्की खबर है कि रॉयल चैलेंजर्स, बेंगलुरु और पंजाब किंग्स के फाइनल मैच के दौरान ऐसा कोई प्रोमो रिलीज नहीं विवेक अग्निहोत्री की फिल्म के आगे खिसकने की जानकारी के बाद से यशराज फिल्म्स में 'वॉर 2' की टीम का उत्साह सातवें आसमान पर है। टीम ने हाल ही में एनटीआर के जन्मदिन पर फिल्म का एक टीजर रिलीज किया है। अयान मुकर्जी इस फिल्म के निर्देशक हैं और उन्होंने अपने सोशल मीडिया पेज पर भी फिल्म के बारे में लिखा है। जानकारी के मुताबिक फिल्म 'वॉर 2' इसे बनाने वाली कंपनी यशराज फिल्म्स की अब तक की सबसे महंगी फिल्म है। इस फिल्म का बजट 400 करोड़ रुपये से भी ऊपर बताया जा रहा है और जिन लोगों ने फिल्म के रशेज देखे हैं, उनके मुताबिक ये फिल्म अयान मुकर्जी की अब तक की सबसे बढ़िया फिल्म है। अयान ने फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' के तुरंत बाद ही इस पर काम शुरू कर दिया था और बीते दो साल से वह दिन रात फिल्म में ही लगे रहे हैं। इंडियन प्रीमियर लीग देश और विदेश में क्रिकेट का सबसे ज्यादा देखे जाने वाला इवेंट बन चुका है और इसका फाइनल इस समय हैदराबाद में खेला जा रहा है। इस मैच को अब तक 400 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं।

पहली बार नजर आया शूरा का बेबी बंप, यूजर्स ने पति अरबाज को किया ट्रोल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। ब्लैक वन-पीस टाइट फिटिंग और डेनिम जैकेट में शूरा खान का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें उनका बेबी बंप साफ दिखाई दे रहा है। वायरल वीडियो क्या किस्मत है', एक यूजर ने लिखा, 'अल्लाह आपको और आपके बच्चे की रक्षा करे आज के इस वायरल वीडियो में शूरा को स्टाइलिश ब्लैक वन-पीस और डेनिम जैकेट पहने हुए एक पॉश आईवियर

में उन्हें एक लग्जरी आईवियर स्टोर से बाहर निकलते हुए देखा गया। शूरा खान का यह लेटेस्ट वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो पर यूजर्स लगातार कमेंट कर अपनी राय पेश कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'अल्लाहुमा बारिक. बहुत खूबसूरत माशाअल्लाह', एक और यूजर ने लिखा, 'अरबाज दादा बनेंगे', एक और यूजर ने लिखा, 'हमारे यहां 60-65 कि उमर में दादा जी बनते हैं, सलमान खान ताऊ जी बनेंगे स्टोर से बाहर निकलते हुए देखा गया। उनका यह लुक बेहद ही स्टाइलिश और शानदार रहा। वैसे शूरा की प्रेग्नेंसी की अफवाहें पहले भी फैल चुकी हैं। लेकिन आज इस वीडियो से साफ हो गया है की वह वाकई में प्रेगनेंट हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शूरा और अरबाज खान की पहली मुलाकात फिल्म 'पटना शुक्ला' के सेट पर हुई थी। प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट शूरा ने कई बॉलीवुड सितारों जैसे रवीना टंडन और उनकी बेटी राशा थडानी के साथ काम किया है।

श्रेयस अय्यर के आउट होने पर दुखी हुईं प्रीति जिंटा, यूजर बोले- 'रुला दिया न बेचारी को'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आईपीएल के फाइनल मुकाबले में जैसे ही पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर का विकेट गिरा, प्रीति जिंटा का चेहरा उतर गया। प्रीति का रिएक्शन अब सोशल मीडिया पर वायरल है। तभी पंजाब के तीन विकेट लगातार गिर गए। टीम को कप्तान श्रेयस अय्यर से उम्मीद थी, लेकिन अय्यर सिर्फ 1 रन बनाकर इस अहम मुकाबले में आउट हो गए। अब अय्यर के आउट होने के बाद प्रीति जिंटा का रिएक्शन सोशल मीडिया

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जा रहे आईपीएल के फाइनल मुकाबले में आरसीबी ने पंजाब किंग्स को 191 रनों का लक्ष्य दिया है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की शुरुआत तो बेहतर रही, लेकिन बीच में पारी लड़खड़ाई है। इस बीच कप्तान श्रेयस अय्यर सस्ते में आउट हो गए। श्रेयस अय्यर का विकेट पंजाब के लिए कितना महत्वपूर्ण है, ये प्रीति जिंटा के रिएक्शन से पता लगाया जा सकता है। श्रेयस अय्यर के आउट होने पर अब प्रीति जिंटा का रिएक्शन सोशल मीडिया पर वायरल है।आईपीएल के फाइनल मुकाबले में 191 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही पंजाब किंग्स एक समय मजबूत स्थिति में दिख रही थी। लेकिन पर वायरल है। अय्यर का विकेट गिरते ही प्रीति एकदम से निराश हो गईं।सोशल मीडिया पर भी श्रेयस अय्यर के आउट होने के बाद लोगों के रिएक्शन वायरल हो रहे हैं। एक यूजर ने लिखा 'मेरी प्रीति जिंटा रो रही हैं।' तो वहीं एक यूजर ने प्रीति जिंटा के रिएक्शन की फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'रुला दिया न बेचारी को।'श्रेयस अय्यर का विकेट इस फाइनल मुकाबले में आरसीबी के लिए काफी मायने रखता है। यही कारण है कि जब अय्यर का विकेट गिरा तो आरसीबी खुशी से झूम उठी। इस बीच विराट कोहली का रिएक्शन भी वायरल है। जो अय्यर के आउट होने के बाद खुशी से जश्न मनाते दिखे।

स्वात्वाधिसकसार एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सस्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0-09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोट- इस समाचार पत्र मे प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हंतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।